शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 15 | गुवाहाटी | रविवार, 11 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अगर न्यायपालिका ने घुटने नहीं टेके होते, तो आपातकाल की स्थिति... पेज 2

बांग्लादेश में अशांति के बीच बीएसएफ ने बांग्लादेशी नागरिक को बीजीबी को सौंपा पेज 3

ग्रुप डी का परीक्षा परिणाम जारी, 3774 युवा हुए पास पेज 5

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पुरुष हॉकी टीम को किया सम्मानित, दृढ़ता और... पेज 7

असम में जबरन घुसने की कोशिश

बीएसएफ ने बांग्लादेशियों को रोका

धुबड़ी (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच आज सुबह धुबड़ी जिले की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर असम में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे बांग्लादेशी नागरिकों को बीएसएफ ने रोक दिया। बांग्लादेशी नागरिकों का यह झुंड गेट नंबर 50 को पार करके धुबड़ी के भोगडांगा और फौशकरकुटी स्थित भारतीय गांवों में जबरन घुसने की कोशिश कर रहा था। ये गांव तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरे हुए हैं। धुबड़ी जिले के बरभंगी ग्राम पंचायत स्थित ये गांव *चिकन नेक* क्षेत्र का हिस्सा हैं। यहां 642 लोग रहते हैं। घुसपैठ के प्रयास की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सीमा पर तैनात स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उन्हें रोका। ये बांग्लादेशी नागरिक कुरीग्राम जिले के नागेश्वरी, कसाकाटा और देवी बारी क्षेत्र से आए थे। बीएसएफ के जवानों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। उन्हें बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) के सहयोग से वापस भेजने का प्रयास चल रहा है।

भारत में कुछ बड़ा होने वाला है, हिंडनबर्ग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारत को लेकर फिर एक बड़ा एलान करते हुए चेतावनी दी है कि वह जल्द ही कुछ बड़ा करने वाला है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या एक बार फिर हिंडनबर्ग किसी भारतीय कंपनी को अपना निशाना बनाने वाला है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से शनिवार को पोस्ट करते हुए लिखा कि जल्द ही कुछ बड़ा भारत में। इस गुप्त संदेश को किसी भारतीय कंपनी पर निशाना बनाने की चेतावनी माना जा रहा है। गौरतलब है कि फर्म ने एक साल पहले अडानी समूह की कंपनियों पर भी कई आरोप लगाए थे, जिसमें उसने कहा था कि समूह शेयर बाजार में अंदरूनी व्यापार और अन्य उल्लंघनों में शामिल रहा है। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें उसने अदानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया था। इसके बाद कंपनी के शेयर मूल्य में भारी गिरावट आई थी। हालांकि समूह ने हिंडनबर्ग के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था। भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने भी आरोपों पर सेबी की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह को क्लीन चिट दे दी थी। हाल ही में शीर्ष अदालत ने अडानी-हिंडनबर्ग मामले की अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच के गठन की समीक्षा याचिका भी खारिज कर दी थी। इससे पहले इस साल जुलाई में वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता महेश जेठमलानी ने आरोप लगाया था कि चीनी लिंक वाले एक अमेरिकी-आधारित व्यवसायी ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट बनाई थी, जिसके कारण जनवरी-फरवरी 2023 में अदानी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। महेश जेठमलानी ने अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के पीछे चीनी हाथ होने का आरोप लगाया, जिसमें भारतीय समूह को निशाना बनाया गया था।

कोलकाता : ईयरफोन से पकड़ा गया महिला डॉक्टर का *हत्यारा*

कोलकाता। स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की मौत के मामले में कोलकाता पुलिस ने शनिवार को बताया कि प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या से पहले यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई है। पुलिस ने संजय राय नाम के एक सिविक वालंटियर को शुक्रवार की रात गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसे इसका कोई पछतावा भी नहीं है और उसने कहा है कि उसे फांसी दे दी जाए। बता दें कि कोलकाता स्थित एक सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सेमिनार हाल -शेष पृष्ठ दो पर

पीड़ितों से मिले पीएम मोदी, कहा-

यह सामान्य आपदा नहीं, हजारों सपने चकनाचूर हुए

वायनाड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति का आकलन करने के लिए भूस्खलन प्रभावित वायनाड का दौरा किया। 30 जुलाई को आई इस आपदा में कम से कम 226 लोगों की जान चली गई है और कई लोग अभी भी लापता हैं। इसे केरल में आई सबसे भयंकर प्राकृतिक आपदाओं में से एक माना जाता है। पीड़ितों से मुलाकात के पीएम मोदी ने बड़ी बैठक भी की। इसके बाद मोदी ने कहा कि जिस दिन यह घटना हुई, उस सुबह मैंने सीएम पिनाराई विजयन से बात की थी और उन्हें आश्वासन दिया था कि हम सहायता प्रदान करेंगे और जल्द से जल्द घटनास्थल पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। मोदी ने आगे कहा कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, पुलिस, डॉक्टर, सभी ने पीड़ितों -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मिजोरम सीमा विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध : लालदुहोमा

एजल (हि.स.)। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद सुलझाने को लेकर वे प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आज असम के सीमा मामलों के मंत्री अतुल बोरा के साथ मुलाकात के बाद बयान जारी कर कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान इस विवाद को सुलझा लेने का उनका पक्का इरादा है। लालदुहोमा ने कहा कि चुनाव के दौरान उनकी पार्टी ने असम-मिजोरम सीमा विवाद को सुलझाने संबंधी जनता से वादे किए थे। हालांकि, मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने असम-मिजोरम की सीमा पर यथास्थिति बरकरार रहने को लेकर संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

एनएससीएन, अल्फा ने 15 अगस्त को पूर्ण बंद का आह्वान किया

गुवाहाटी। एनएससीएन/जीपीआरएन (युंग आंग) और अल्फा (इंडिपेंडेंट) ने भारत के स्वतंत्रता दिवस का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। समूहों ने असम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश राज्यों में 15 अगस्त को मध्यरात्रि से रात 8:00 बजे तक पूर्ण बंद की घोषणा की है और सभी स्वतंत्रता प्रेमी वेसियन नागरिकों से इस दिन को अस्वीकार करने और *एक व्यक्ति एक क्षेत्र एक दृष्टिकोण* की भावना -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

हेमंत सरकार से युवा निराश, झारखंड में घटी है हिंदुओं की जनसंख्या : सीएम हिमंत

रांची (हि.स.)। असम सरकार के मुख्यमंत्री एवं विधानसभा चुनाव के भाजपा के सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार से राज्य के युवा निराश हैं। वे विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ वोट कर नाराजगी जाहिर करेंगे। बांग्लादेश के हालात पर उन्होंने कहा कि जिस तरह वहां हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, वैसी ही परिस्थितियां भारत के झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल के कई जिलों में हैं। यहां हिंदुओं की जनसंख्या घटी है। असम में हिंदू जनसंख्या में 10 फीसदी जबकि बांग्लादेश में 13 प्रतिशत की कमी आई है। हिमंत ने कहा कि इतना झूठ बोलने वाला मुख्यमंत्री कहीं नहीं है। ऐसा लगता है हेमंत सोरेन रात को सपना देखते हैं और -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक समझदार आदमी को सारस की तरह होश से काम लेना चाहिए और जगह, वक्त और अपनी योग्यता को समझते हुए अपने कार्य को सिद्ध करना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

साओ पाउलो में विमान हादसा, 61 लोगों की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में एक यात्री विमान के शुक्रवार रात दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 61 लोगों की मौत हो गई। विमानन -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी की सीएम मान को चेतावनी, बोले-

कर्मचारियों और ठेकेदारों पर नहीं रुके हमले तो बंद कर देंगे प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। पंजाब में अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो एनएचएआई के पास राज्य की आठ राजमार्ग परियोजनाओं को रद्द या बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखे पत्र में यह चेतावनी दी है। इस परियोजनाओं की कुल लंबाई -शेष पृष्ठ दो पर

अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़, दो जवान शहीद, तीन घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान अब तक दो जवान बलिदान हो गए हैं जबकि तीन घायल हैं। जिन्हें इलाक के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अनंतनाग के अहलान गगरमंडू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी। मिली जानकारी के मुताबिक, अहलान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के हिन्दुओं ने कहा-

हम यहीं पैदा हुए, यहीं मरेंगे

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में आवाज उठने लगी है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोग एकजुटता दिखाते हुए सड़क पर उतरने लगे हैं। शनिवार भी देश में कई जगह छिटफुट प्रदर्शन हुए हैं। बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं का कहना है कि हम यहीं पैदा हुए हैं, यही मरेंगे। हम अपना देश छोड़कर नहीं जाएंगे और अपने पर हो रहे जुल्मों का प्रतिकार करेंगे। बांग्लादेश हिन्दू जागरण मंच के नेतृत्व में शुक्रवार सायंकाल भी हिन्दुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे हमलों, आगजनी और लूटपाट के विरोध में राजधानी ढाका के शाहबाग में प्रदर्शन किया गाय। शुक्रवार को हुए इस प्रदर्शन में हजारों हिन्दुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान देश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई गई। समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के अनुसार इस वजह से शाम चार बजे से शाम साढ़े सात बजे तक शाहबाग चौराहा बंद रहा। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में हुए हिंदुओं पर हमलों की खिलाफत की। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I, Hriday Kumar Mondal, S/o. Sanat Kumar Mondal, aged about 41 years, By religion Hindu, resident of 3 Air Formation Singal Regiment, C/o. 99 APO Barjhar, Dist. Kamrup (M), Assam declare vide an affidavit at Guwahati, Assam that my wife Chhanda Mandal's actual Date of birth is 11-01-1984 which has been recorded in her all documents. But in my service documents her date of birth has been wrongly recorded as 11-01-1986 instead of 11-01-1984.

AFFIDAVIT

I, Sushant Kumar Tarai, S/o. Pran Tarai, aged about 34 years, By religion Hindu, resident of 3 Air Formation Singal Regiment, C/o. 99 APO Barjhar, Dist. Kamrup (M), Assam declare vide an affidavit at Guwahati, Assam that my mother's actual date of birth is 22-01-1968 which has been recorded in her all documents. But in my service documents her date of birth has been wrongly recorded as 12-12-1968 instead of 22-01-1968.

सड़क दुर्घटना में चार व्यक्ति घायल

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के उरियामघाट हाथीडूबी इलाके में दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि दो बाइक (एएस-05भी-7780) और (एएस-05टी-2170) के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान उरियामघाट पानबाड़ी निवासी रमेश गढ़, पानीपुखरी निवासी दीपू सोनवाल, सुकियापथार निवासी हेमंत नेउग और जयापथार निवासी रुबुल सैकिया के रूप में की गई है।

फंदे से लटकता युवक का शव बरामद

कामरूप (हिंस)। दक्षिण कामरूप के माजगुमी में फंदे से लटकता एक युवक का शव मिला है। शव कलसी नदी पुल के पास एक पेड़ पर लटकता हुआ पाया गया। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। पुलिस ने शव को थाने लाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। छयगांव थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ताराबाड़ी में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि शुक्रवार की रात बरपेटा जिले में ताराबाड़ी पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा और ड्रग्स के साथ तस्कर को पकड़ने में कामयाब रही। नशे के खिलाफ इस अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी मृणाल शर्मा ने किया। पुलिस की छापेमारी के दौरान हेरोइन से भरा एक प्लास्टिक पैकेट जब्त किया गया। एक पैकेट में 13.3 ग्राम ड्रग्स जब्त किया गया।

अगर न्यायपालिका ने घुटने नहीं टेके होते, तो आपातकाल की स्थिति नहीं आती : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। आपातकाल को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान सामने आया है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि यदि उच्चतम स्तर पर न्यायपालिका इंदिरा गांधी की तानाशाही के आगे झुकी नहीं होती, तो आपातकाल की स्थिति नहीं आती। उन्होंने कहा कि हमारा देश बहुत पहले ही अधिक विकास कर चुका होता। हमें दशकों तक इंतजार नहीं करना पड़ता। जगदीप धनखड़ ने आज कानून के शासन के प्रति न्यायपालिका की दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की, साथ ही भारत के इतिहास के एक दर्दनाक अध्याय – जून 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल – पर भी विचार किया। आपातकाल के दौर को आजादी के बाद का *सबसे क्रूर और काला दौर* बताते हुए, धनखड़ ने चिंता व्यक्त की कि इस दौरान न्यायपालिका का सर्वोच्च स्तर, जो आमतौर पर *बुनियादी अधिकारों का एक दुर्जेय गढ़* होता है, *निर्लज्ज तानाशाही शासन* के आगे झुक गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि आपातकाल के दौरान कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए किसी भी न्यायालय में नहीं जा सकता। उन्होंने असंख्य नागरिकों की स्वतंत्रता पर इस फैसले के गंभीर प्रभावों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि जब एक व्यक्ति ने भारत के संविधान को लापरवाही से रौंद दिया था, तब क्या हुआ था। संविधान के किसी भी हिस्से का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान, एक व्यक्ति ने स्वतंत्रता को बंधक बना लिया था। बिना किसी गलती के गिरफ्तार किए गए लोगों को न्यायिक मदद लेने से रोक दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने 9 उच्च न्यायालयों के उन फैसलों को पलट दिया, जिन्होंने पीड़ितों के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह न्यायालय 9 उच्च न्यायालयों की उस सचित्र सूची में था। मुझे वास्तव में इस संस्था का हिस्सा होने पर गर्व है!! उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ने स्वतंत्रता को बंधक बना लिया और देश भर में हजारों लोगों को बिना किसी गलती के गिरफ्तार कर लिया गया, सिवाय इसके कि वे भारत माता और राष्ट्रवाद में दिल से विश्वास करते थे। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है और ये एक जुलाई से प्रभावी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ये कानून हमें औपनिवेशिक विरासत से मुक्त करने और उसकी मानसिकता से छुटकारा दिलाने के लिए हैं। ये कानून हमारे द्वारा, हमारे लिए हैं...। धनखड़ ने जोधपुर में एक राज्य स्तरीय सम्मेलन में न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि (नए कानूनों को लेकर) *मिशन मोड* में रहें, इनके प्रति जुनूनी बनें, लोगों को इनकी जरूरत है। क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। इन कानूनों को लागू करने में आपकी तैयारी और भागीदारी ही इस क्रांतिकारी कदम की सफलता को निर्धारित करेगी।

पेरिस ओलंपिक 2024

एक हफ्ते में उतरा ब्रांज मेडल का रंग, क्वालिटी पर उठे सवाल

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 फ्रांस में जारी है, जिसमें अलग- अलग देशों के खिलाड़ी अपने खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं। ओलंपिक मेडल जीतना किसी भी एथलीट के लिए जीवन में एक बार मिलने वाला खास मौका होता है और वे इसे जीवन भर संजोकर रखते हैं लेकिन हाल ही में चल रहे ओलंपिक से ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सबको चौंका कर रख दिया है, दरअसल ब्रांज मेडल जीतने वाले एक अमेरिकी खिलाड़ी निजा ह्यूस्टन ने आरोप लगाया है कि उन्हें मिला ब्रांज मेडल बेरंग और खराब होने लगा है। बता दें 29 साल के इस खिलाड़ी ने 30 जुलाई को पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग में तीसरे स्थान पर रहकर ब्रांज मेडल जीता था। यहां जापान के युटो होरिगोम ने गोल्ड मेडल जीता था। निजा ह्यूस्टन ने खराब हो रहे मेडल की तस्वीर शेयर भी की है, जिसमें आप देख सकते हैं कि मेडल का रंग उतर रहा है। अमेरिकी खिलाड़ी ने बेरंग और खराब हो रहे मेडल को लेकर कहा कि ये ओलंपिक मेडल तब अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं, लेकिन इसे थोड़ी देर के लिए पसीने के साथ अपनी त्वचा पर रखने और फिर वीकेंड में अपने दोस्तों दिखाने के बाद इसकी क्वालिटी सामने आती है। सिर्फ एक सप्ताह हुआ है। मेरा मतलब है कि इस चीज को देखो। यह खुरदरी दिख रही है। यहां तक कि सामने का हिस्सा भी थोड़ा-थोड़ा उखड़ने लगा है। मुझे नहीं पता, शायद क्वालिटी को थोड़ा बढ़ाना होगा।

पाकिस्तान के चंद्र मिशन को बड़ा झटका, लांच चंद्र पेलोड हो गया गायब

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पहले चंद्र मिशन, आईक्यूब-कमर (आईक्यूब-क्यू), से जुड़ी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। 3 मई 2024 को चीन के चांग ई 6 मिशन के साथ लॉन्च किए गए इस उपग्रह से पाकिस्तान ने 1 जुलाई 2024 के बाद से संपर्क खो दिया है। यह

उपग्रह पाकिस्तान के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसटी), अंतरिक्ष और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग (सुपर को) और चीन के शंघाई जियाओ टोंग विश्वविद्यालय (एसजेटीयू) के संयुक्त प्रयास से विकसित किया गया था। इस उपग्रह का उद्देश्य चंद्रमा की सतह की तस्वीरें लेना और चंद्रमा के अंधेरे हिस्से से नमूने वापस लाने में चीनी मिशन की सहायता करना था। लॉन्च के बाद पाकिस्तान में इस मिशन को लेकर काफी उत्साह था। पाकिस्तान की मीडिया और नेताओं ने इस मिशन की सराहना की और इसे देश की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति का प्रमाण बताया। हालांकि, मिशन के सफल लॉन्च के कुछ समय बाद ही उपग्रह में गंभीर तकनीकी समस्याएं सामने आईं। सूत्रों के अनुसार, इन समस्याओं ने उपग्रह के डिजाइन और उपकरणों में गड़बड़ियों की ओर इशारा किया।इस बीच, चीन के डीप स्पेस नेटवर्क (सीडीएसएन) ने भी उपग्रह को ट्रैक करना बंद कर दिया है, क्योंकि उनका मानना है कि उपग्रह अब और संचार करने में सक्षम नहीं है। पाकिस्तान के सुपर को की स्थापना 1961 में हुई थी, जो भारत के इसरो से आठ साल पहले की बात है। बावजूद इसके, सुपर को ने अब तक केवल दो उपग्रह लॉन्च किए हैं, जबकि इसरो ने 65 से अधिक उपग्रह और कई अंतरिक्ष मिशन, जैसे चंद्रयान और मंगलयान, सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद पाकिस्तान ने भी चंद्रमा तक पहुंचने का सपना देखा, लेकिन अपने उपग्रह की असफलता ने इस प्रयास को बड़ा झटका दिया है। पाकिस्तान के लिए यह

गाजा : स्कूल पर इजरायली एयर स्ट्राइक में सौ से ज्यादा की मौत

काहिरा। इजरायल ने शनिवार को गाजा के एक स्कूल पर बड़ा हवाई हमला किया। इस हमले में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले स्कूल पर इजरायली हमले में 100 से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। इस हमले में कई दर्जनों लोग घायल हैं। दूसरी ओर इजरायली सेना ने कहा है कि उसने हमास के एक कमांड सेंटर पर हमला किया है। वहीं, हमास द्वारा संचालित मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इजरायली हमलों का लक्ष्य फज्र (सुबह) की नमाज अदा कर रहे विस्थापित लोग थे, इसकी वजह से मरने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई।

क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर रखने के पक्ष में नहीं है कांग्रेस पार्टी : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति (एससी)व अनुसूचित जनजाति (एसटी) के क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर रखने के पक्ष में नहीं है। वे यह भी चाहते हैं कि उच्चतम न्यायालय के क्रिमी लेयर संबधित फैसले को मान्यता न मिले इसके लिए वे भरसक प्रयास करेंगे। शनिवार को खड़गे ने अपने निवास पर मीडिया से बातचीत में यह प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों ने एक फैसला दिया है, जिसमें उन्होंने एससी-एसटी वर्ग के लोगों के सब-कैटेगराइजेशन के साथ ही क्रीमीलेयर की भी बात की है। उन्होंने कहा कि भारत में दलित समुदाय के लोगों के लिए आरक्षण बाबासाहेब के पूना पैक्ट के माध्यम से मिला था। बाद में पंडित जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी द्वारा आरक्षण नीति को जारी रखा गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आरक्षण के साथ ही शिक्षा और रोजगार में भी आरक्षण एक जरूरी मुद्दा था, लेकिन अब एससी-एसटी वर्ग के लोगों को क्रीमी लेयर का कहकर आरक्षण से बाहर निकालना उनके ऊपर एक बड़ा प्रहार है। खड़गे ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के लोक उपक्रमों (पीएसयूएस) निजी हाथों में सौंपकर सरकारी नौकरी और आरक्षण खत्म किया जा रहा है। एक तरफ देश में लाखों सरकारी नौकरियां हैं, जिनमें भर्तियां नहीं की जा रही हैं, दूसरी तरफ आप क्रीमी लेयर लाकर दलित समाज को कुचल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इसका विरोध करते हैं और खुलकर कह सकते हैं कि एससी-एसटी वर्ग का जो मुद्दा उठा है, उसमें दलितों-वंचितों के बारे में नहीं सोचा गया। उन्होंने कहा कि जब तक इस देश में अस्पृश्यता है, तब तक आरक्षण रहना चाहिए और रहेगा। उसके लिए हम लड़ते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक में आज भी ऐसे कुछ गांव हैं, जहां लोगों को अंदर आने नहीं दिया जाता। जब तक देश में ऐसी चीजें चल रही हैं, आप आरक्षण खत्म नहीं कर सकते। हर राज्य में एससी-एसटी की लिस्ट अलग होती है। इसलिए इस लिस्ट से किसको कितना फायदा होता और किसको नुकसान होता है, इस विषय में हम बारीकी से सोचकर आगे कदम बढ़ाएंगे। इस मुद्दे पर राहुल गांधी भी सोच रहे हैं, उन्होंने कई बुद्धिजीवियों को बुलाकर इस विषय में चर्चा भी की है। उन्होंने कहा कि हम दलितों-वंचितों की हिफाजत के लिए जो भी कर सकते हैं, वह करेंगे। उन्होंने कहा कि आज आरक्षण होते हुए भी हाई कोर्ट में दलित समाज के लोग नहीं हैं, सुप्रीम कोर्ट में भी नाम मात्र के लोग हैं।

पृष्ठ एक का शेष

कोलकाता : ईयरफोन ...

से शुक्रवार सुबह एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला डॉक्टर का अर्द्धनग्न शव मिला था। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल सेमिनार हॉल से एक टूटा हुआ ब्लूटूथ ईयरफोन मिला था, जो संजय राय का है। सीसीटीवी फुटेज में घटना से पहले संजय को गले में ईयरफोन लटकाकर सेमिनार हाल में प्रवेश करते देखा गया है। 30 मिनट बाद उसे बिना ईयरफोन के हाल से निकलते देखा गया है। इसके अलावा अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में भी संजय की तस्वीरें कैद हुई हैं। इससे पता चला है कि संजय का अस्पताल में हमेशा आना-जाना लगा रहता था। इधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और घिनौना बताया और कहा कि दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाएगी। उन्हें सीबीआई जांच से भी कोई आपत्ति नहीं है। ममता ने कहा कि मैंने मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में ले जाने का निर्देश दिया है। अगर जरूरत पड़ी तो दोषियों को फांसी दी जाए, हालांकि मैं फांसी की सजा की समर्थक नहीं हूं। बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने इस घटना की सीबीआई जांच की मांग की। दूसरी ओर इस घटना के खिलाफ राज्यभर के सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की। अस्पताल में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ उनकी धक्कामुक्की भी हुई। कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने शनिवार को कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के यौन उत्पीड़न और हत्या के आरोपित को दोषी पाए जाने पर कठोरतम सजा मिले। गिरफ्तार व्यक्ति कथित तौर पर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और रात की ड्यूटी के दौरान मौजूद रहे अन्य डॉक्टरों से मिले विवरण के आधार पर इसमें शामिल लगता है। गोयल ने कहा कि पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई और प्रक्रिया के दौरान मृतका के परिवार के सदस्य मौजूद थे। आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे शनिवार को सियालदह अदालत में किया गया। जहां से उसे 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का निर्देश दिया।

एनएससीएन, अल्फा ने ...

के तहत घर के अंदर रहकर हमारे बहिष्कार के आह्वान का समर्थन करने का आग्रह किया है। संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आपातकालीन सेवाएं, मीडिया और धार्मिक गतिविधियां बंद के दायरे से बाहर रहेंगी। एनएससीएन (वाईए) और अल्फा (आईएनडी) ने दावा किया है कि भारत का स्वतंत्रता दिवस उपनिवेशवादी प्रतीक है जो दुनिया को धोखा देने और वेसियन क्षेत्र की वैध आकांक्षाओं के दमन को जारी रखने के लिए अवैध वर्चस्व को सही ठहराने के लिए है। समूहों ने आरोप लगाया कि भारत क्षेत्र में सामान्य स्थिति की तस्वीर पेश करने की बेताबी से कोशिश कर रहा है, इसकी आड़ में क्रूर सैन्य उत्पीड़न, अंतहीन मानवाधिकार उल्लंघन और क्रूर आत्मसात नीतियों से बनी एक कठोर वास्तविकता छिपी हुई है। इसके अलावा, एनएससीएन (वाईए) और अल्फा (आईएनडी) ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह क्षेत्र को भारत के क्रूर कब्जे के तहत एक और साल की दुखद याद दिलाने के अलावा कुछ नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह वेसियन लोगों की आकांक्षाओं का अपमान है, जिन्होंने हमारी खोई हुई संप्रभुता को बहाल करने के लिए बहुत त्याग किया था। समूहों ने कहा कि यह दिन वेसियन क्रांति के अध्याय में एक *काला दिन* बना रहेगा।

यह सामान्य आपदा ...

की जल्द से जल्द मदद करने की कोशिश की। मैं मृतकों के परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। हम सभी उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार केरल सरकार के साथ खड़ी है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पैसे की कमी के कारण कोई भी काम बाधित न हो। उन्होंने कहा कि भूस्खलन की घटना के बारे में जब से मुझे पता चला है, तब से मैं लगातार इसकी जानकारी ले रहा हूं। केंद्र सरकार की सभी एजेन्सियां जो इस आपदा में मदद कर सकती थीं, तुरंत मदद के लिए जुट गई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आपदा सामान्य नहीं है। हजारों परिवारों के सपने चकनाचूर हो गए हैं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे हैं। मैंने राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की है, जिन्होंने इस आपदा का सामना किया है। मैंने अस्पताल में घायल मरीजों से भी मुलाकात की है। अधिकारियों ने बताया कि मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से वायुसेना के हेलीकॉप्टर के जरिये वायनाड पहुंचे और 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित चूरलमाला क्षेत्र में पैदल चलकर नुकसान का जायजा लिया। मोदी ने एक राहत शिविर का भी दौरा किया, जहां भारी भूस्खलन के कारण विस्थापित हुए कई लोग रह रहे हैं। उन्होंने घटना से प्रभावित कुछ लोगों से बातचीत की। इनमें दो बच्चे भी शामिल थे, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खो दिया। इस आपदा में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। बाद में, प्रधानमंत्री ने दोपहर करीब ढाई बजे मेप्पाडी स्थित शिविर का दौरा किया और वहां करीब आधा घंटा बिताया तथा कुछ लोगों से बातचीत की।

हेमंत सरकार से युवा...

सुबह में वादा कर देते हैं, लेकिन जनता जानना चाहती है कि हेमंत सोरेन सच कब बोलते हैं। असम के मुख्यमंत्री राजधानी रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में शनिवार को भाजपा मोर्चा के तत्वावधान में युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसमें 23अगस्त को होने वाले रैली की तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हेमंत सोरेन न वादा निभाते हैं न जनता से माफी मांगते हैं। मुख्यमंत्री का बोलने का तरीका डेमोक्रेटिक नहीं है। जनता को धोखा भी दे रहे और पांच लाख नौकरी, बेरोजगारी भत्ता, बांग्लादेशी घुसपैठ पर बोलने को तैयार नहीं। ऐसी सरकार यदि आगे चली तो राज्य के युवाओं का कोई भविष्य नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि मइयां योजना भी धोखा है। दो महीने तक दो हजार देने की बात कर रहे लेकिन बेटी बहनों को दलाल बिचौलिए फार्म भरने में ही एक हजार लूट ले रहे। हेमंत सरकार को कंप्यूटर ने भी रिजेक्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की माताओं बहनों को दो हजार रुपए, नहीं, बल्कि भाई और बेटे को नौकरी चाहिए। हेमंत सोरेन के पास राज्य के बेरोजगार युवाओं का पिछले 60 महीना का तीन लाख बकाया है, जिसे व्याज सहित मांगने के लिए राज्य का युवा हकदार है। युवाओं का उधार पैसा हेमंत सोरेन के घर में फंसा है। हिमंत ने कहा कि किसानों की ऋण माफी की बात भी धोखा है। जबतक राज्य सरकार बैंक को पैसा नहीं देगी तब तक बैंक एनओसी नहीं देता है। उन्होंने कहा कि ये वादा करने में माहिर सरकार है लेकिन निभाती तो भाजपा की सरकार है। भाजपा की सरकार जो वादा करके आती है उसे निभाती है। चाहे केंद्र की हो या फिर प्रदेशों की। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त को राज्य का एजेंडा अब राज्य का युवा तय करेगा। आज राज्य में दो ही प्रमुख मुद्दे हैं। एक तरफ राज्य सरकार के वादा खिलाफी पर जनता में आक्रोश दूसरी तरफ घुसपैठियों से राज्य को बचाना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज राज्य में आम जनता परेशान है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। राज्य के युवाओं को ठगा। किसानों को ठगा। बहन-बेटियों की इज्जत लुटवाई। जल जंगल जमीन को लूटा और लुटवाया। ऐसी सरकार को राज्य हित में एक क्षण भी बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि पांच साल में विकास का एक उदाहरण भी हेमंत सरकार नहीं दे सकती। अब जनता का भरोसा इस सरकार से उठ चुका है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के झूठ को चौक चौराहों पर बार बार दोहराएं। उन्होंने कहा कि ये सरकार मोदी सरकार की नकल करने को चली वह भी नहीं कर सकी। जनता को ग्रीन कार्ड से राशन देने की बात की लेकिन एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकी। जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। युवा शक्ति आज कमर कसकर राज्य सरकार के खिलाफ खड़ी है। हेमंत सोरेन अब खुद संन्यास नहीं ले रहे तो हमें 23 अगस्त को युवा शक्ति उन्हें सन्यास लेने केलिए बाध्य कर देगी। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड की युवा शक्ति राज्य को लुटेरों, भ्रष्टाचारियों से बचाने के लिए नए उलगुलान और हुल करने के लिए तैयार है। हेमंत सरकार ने ठग कर जनादेश लिया लेकिन न रोजगार दिया, न बेरोजगारी भत्ता दिया। यही मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कहा था कि मेरी सरकार में कोई संविदा कर्मी जैसा शब्द नहीं होगा, लेकिन आज संविदा कर्मी, पारा शिक्षक दर की ठोकरें खा रहे। लाठियां खा रहे। उन्होंने कहा कि पहली बार विधानसभा में युवाओं के मुद्दे पर ऐतिहासिक आंदोलन हुआ लेकिन यह सरकार तानाशाही रवैए से बाज नहीं आए। अध्यक्ष की ताकत का दुरुपयोग किया। विधायकों के धरने के दौरान सदन की बिजली पानी कटा। उन्होंने कहा कि अब राज्य का युवा लाठी गोली से डरने वाला नहीं। 23 अगस्त को राज्य के युवा हेमंत सरकार का जड़ हिला देंगे। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि आगामी 23 अगस्त को युवाओं की रैली नहीं रैला होगा। युवाओं का जन सैलाब हेमंत सरकार को गद्दी छोड़ने को मजबूर कर देगा। युवा मोर्चा अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सेवा और संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहता है। राज्य की युवाओं की आवाज आज युवा मोर्चा है। साथ ही कहा कि प्रदेश भ्रष्ट निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए युवा शक्ति तैयार है।

कर्मचारियों और ...

293 किलोमीटर है और लागत 14,288 करोड़ रुपए है। गडकरी ने कहा कि उन्हें दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर हाल में हुई दो घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने नौ अगस्त को लिखे अपने पत्र में कहा कि जालंधर जिले में एक घटना में ठेकेदार के इंजीनियर पर बेरहमी से हमला किया गया। हालांकि, इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है, लेकिन अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। मंत्री ने लुधियाना जिले में एक और घटना की ओर इशारा किया, जहां दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के ठेकेदार के परियोजना कैंप पर उपद्रवियों ने हमला किया और इंजीनियरों को धमकी दी। इस घटना में एनएचएआई अधिकारियों के लिखित अनुरोध के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। गडकरी ने लिखा कि जालंधर में एक इंजीनियर को बुरी तरह पीटा गया। इस मामले में शिकायत तो दर्ज हुई है, लेकिन कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरा मामला लुधियाना का है, जहां एक्सप्रेस वे कॉन्ट्रैक्टर के प्रोजेक्ट कैंप पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इंजीनियर को कैंप और सभी कर्मचारियों को जलाने की धमकी दी गई। लिखित शिकायत के बावजूद अब तक मामला नहीं दर्ज किया गया है। नितिन गडकरी ने आरोपियों के खिलाफ तुरंत कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि मीटिंग में जमीन अधिग्रहण और कानून व्यवस्था बेहतर करने की बात कही गई थी। हालांकि, अब तक इसमें कोई तरक्की नहीं हुई है। गडकरी ने कहा कि यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो एनएचएआई के पास 14,288 करोड़ रुपए की लागत और 293 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली आठ अन्य गंभीर रूप से प्रभावित परियोजनाओं को रद्द/ बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। उन्होंने लिखा कि यह ध्यान देने योग्य है कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित लंबित मुद्दों और मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण कई ठेकेदारों ने अनुबंधों को बंद करने का अनुरोध किया है और एनएचएआई के खिलाफ दावे किए हैं।

अनंतनाग में आतंकियों ...

मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों की ओर से खोजी टीम पर फायरिंग की गई। इसके जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की। इससे पहले बीती छह अगस्त को बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शाम चार बजे के करीब मुठभेड़ शुरू हुई थी। दोनों ओर से दो घंटे तक गोलीबारी हुई। मौसम खराब होने और धुंध के बीच सुरक्षाबलों ने देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया। सेना ने जंगल में छिपे आतंकियों की घेराबंदी बढ़ा दी। अभी किसी भी आतंकी के मारे जाने की सूचना नहीं है। इससे एक दिन पहले ही अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादी मददगारों को गिरफ्तार किया था। इनसे हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। पकड़े गए आतंकी मददगारों की पहचान दाऊद अहमद डार, इम्तियाज अहमद रेशी और शाहिद अहमद डार के तौर पर हुई है। तीनों हसनपोरा तवेला के निवासी हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हसनपोरा तुलखान रोड पर संयुक्त नाके पर जांच के दौरान आतंकी मददगारों को हिरासत में लिया गया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। इसमें एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, 8 पिस्टल राउंड, एक ग्रेनेड और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के अलावा आपत्तिजनक सामग्री शामिल है।

हम यहीं पैदा ...

इस प्रदर्शन के दौरान दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जलाने की कड़ी आलोचना की गई। प्रदर्शनकारी दोपहर लगभग तीन बजे नेशनल प्रेस क्लब के सामने जमा हुए और मार्च करते हुए शाहबाग चौराहे पर पहुंचे। इन लोगों ने नई अंतरिम सरकार के सामने चार मांगें रखीं -अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्थापना, अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून और अल्पसंख्यकों के लिए 10 प्रतिशत संसदीय सीटों का आवंटन। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, नौ अगस्त को ठाकुरगांव में हिन्दुओं ने रैली निकालकर जुल्म का विरोध किया। इस रैली में चार हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। इसके बाद ठाकुरगांव सदर उपजिला के निर्बाही अधिकारी बेलायत हुसैन, सेना के अधिकारियों के साथ पहुंचे। उन्होंने हिन्दुओं की सुरक्षा का वादा किया। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एक्य परिषद ने शुक्रवार को कहा था कि शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश के 64 जिलों में से 52 जिलों में अल्पसंख्यकों के साथ अत्याचार हुए हैं। अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादती की 205 घटनाएं हुई हैं। संगठन ने अंतरिम सरकार के नेता मोहम्मद यूनुस को खुला पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि अल्पसंख्यकों में गहरी चिंता और अनिश्चितता है। सरकार को तत्काल इसका संज्ञान लेना चाहिए।

साओ पाउलो में ...

कंपनी वीओईपीएएसएस ने यह जानकारी दी। कंपनी ने पहले कहा था कि साओ पाउलो से 80 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित विन्हेदो में एक आवासीय परिसर से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में 62 लोग सवार थे और इन सभी के मारे जाने की आशंका है। हालांकि, उसने बाद में विमान में 61 लोगों के मौजूद होने की जानकारी दी। वीओईपीएएसएस ने एक बयान में कहा कि कंपनी को यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि उड़ान संख्या 2283 में सवार सभी 61 लोगों की दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस समय, पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराना वीओईपीएएसएस की प्राथमिकता है। कंपनी हादसे की वजहों का पता लगाने के लिए अधिकारियों के साथ प्रभावी ढंग से सहयोग कर रही है।

असम-मिजोरम सीमा ...

सीमा पर यथा स्थिति का बरकरार होना शुभ संकेत है, लेकिन इससे स्थायी समाधान के प्रयास में कमी आ गई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही सभी पक्षों के साथ मिल-बैठकर इस समस्या का समाधान किया जाएगा। उधर मुलाकात के बाद अतुल बोरा ने मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री लालदुहोमा से मुलाकात काफी महत्वपूर्ण रही। मिजोरम के मुख्यमंत्री को सीमा की सही स्थिति से इस दौरान अवगत कराया गया। सीमा पर होने वाले संघर्ष को रोकने तथा इसका स्थाई समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई गई। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मंत्री अतुल बोरा की बातों को गंभीरता पूर्वक सुना तथा उन्हें इस मसले पर भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि मंत्री अतुल बोरा के नेतृत्व में असम का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को मिजोरम पहुंचा था। एजल हवाई अड्डे पर मिजोरम सरकार के अधिकारियों ने असम के प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया था। इस दौरान मंत्री अतुल बोरा के नेतृत्व में असम का प्रतिनिधिमंडल मिजोरम सरकार के विभिन्न अधिकारियों के साथ बैठकें की। आज इस सिलसिले में अतुल बोरा मुख्यमंत्री लालदुहोमा से मिले।

बांग्लादेश में अशांति के बीच बीएसएफ ने बांग्लादेशी नागरिक को बीजीबी को सौंपा

गुवाहाटी। बांग्लादेश में चल रहे संकट के बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने आज एक बांग्लादेशी नागरिक को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) को सौंप दिया। असम सीमा शाखा पुलिस और बीएसएफ ने करीमगंज के सुतारकांदी बंदरगाह पर व्यक्ति को सौंपने में मदद की, जबकि बीजीबी ने बांग्लादेश के शीओला बंदरगाह पर व्यक्ति को प्राप्त किया। बांग्लादेशी युवक की पहचान मौलवीबाजार, बांग्लादेश के अरबास अली के रूप में हुई है, जो जुलाई 2023 में अवैध रूप से भारत में घुस आया था। उसे बीएसएफ ने हिरासत में लिया और पुलिस को सौंप दिया। एक साल की जेल की सजा पूरी करने के बाद उसे आज उसके देश वापस भेज दिया गया। इससे पहले जुलाई में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के बीच सीमा सुरक्षा और छात्रों की सुरक्षा पर तत्काल चिंता जताई थी। 21 जुलाई को, शर्मा ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स के माध्यम से घोषणा की कि 18 जुलाई को सुबह 3 बजे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को असम में प्रवेश करने का प्रयास करते हुए पकड़ा गया। असम पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, और सुनिश्चित किया कि व्यक्तियों को बिना किसी घटना के वापस भेज दिया जाए। इससे पहले, 20 जुलाई को शर्मा ने केंद्र से उन असम के छात्रों को निकालने में सहायता की अपील की थी जो जारी हिंसा के कारण बांग्लादेश में फंसे हुए हैं। पिछले 48 घंटों में, भारत, भूटान और नेपाल के 400 से अधिक छात्रों और पर्यटकों को मेघालय-बांग्लादेश सीमा पर स्थित दावकी के माध्यम से सफलतापूर्वक निकाला गया, जैसा कि शिलांग में अधिकारियों ने पुष्टि की है।

बांग्लादेश : हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ डिब्रूगढ़ में विरोध-प्रदर्शन

डिब्रुगढ़ (हिंस)। बांग्लादेश में शुरू हुए छात्र आंदोलन के क्रम में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू क्रांति दल ने डिब्रूगढ़ में विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस ने आज बताया कि डिब्रूगढ़ पुलिस थाना चारिआली पर किए गये इस प्रदर्शन के दौरान बांग्लादेश और बांग्लादेशी मुस्लिमों के पुतले फूंककर विरोध जताया गया। इस दौरान बांग्लादेश में सताए जा रहे हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रभावी उपायों की मांग की गई। चेतावनी दी गई कि अगर बांग्लादेश में हिंदुओं को इसी प्रकार सताया जाता रहा, तो भारत में भी इसका जवाब दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने सभी हिंदुओं से जाति, समूहों में विभाजित होने के बजाए एकजुट होने की अपील की है।

असम संबंधी निर्णय एपीसीसी अध्यक्ष लेंगे : जितेंद्र सिंह

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया कांग्रेस के असम प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया है कि असम संबंधी सभी प्रकार के निर्णय असम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा तथा उनकी कमेटी लगी। जितेंद्र सिंह आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राज्य भवन में असम के चार विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव से संबंधित बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चाहे वह चुनाव में उम्मीदवार खड़े करने की बात हो या अन्य किसी भी प्रकार का फैसला, एपीसीसी द्वारा लिये गए निर्णय पर एआईसीसी मोहर लगाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव की तैयारियां कर रही है। उल्लेखनीय है कि आज राजीव भवन में जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में राज्य की चार विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस चर्चा के दौरान जितेंद्र सिंह के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा, पार्टी के धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन और पार्टी उपाध्यक्ष बबीता शर्मा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बांग्लादेश संकट : धुबड़ी का अंतर्राष्ट्रीय नदी बंदरगाह अस्थायी रूप से बंद

धुबड़ी (हिंस)। बांग्लादेश में जारी हिंसा ने भारत-बांग्लादेश व्यापार को प्रभावित किया है। बांग्लादेश में मौजूदा संकटपूर्ण स्थिति के कारण धुबड़ी स्थित अंतर्राष्ट्रीय नदी बंदरगाह को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत-भूटान और बांग्लादेश की तत्कालीन सरकार के साथ समझौते के तहत इस नदी बंदरगाह के जरिए भूटान से बांग्लादेश के सिलमारी नदी बंदरगाह तक पत्थर भेजे जाते हैं। हालांकि पिछले कुछ दिनों से कस्टम विभाग ने बांग्लादेश में पैदा हुए हालात को देखते हुए बांग्लादेश के साथ व्यापार रोक दिया है। धुबड़ी के इस अंतर्राष्ट्रीय नदी बंदरगाह से जुड़े निर्यातक भी बांग्लादेश को पत्थरों के निर्यात में अचानक रोक के कारण मुश्किल में पड़ गए हैं।

कांग्रेस के कारण छह जनजातियों का जनजातिकरण नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी के कारण राज्य की छह जनजातियों का जनजातिकरण नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री ने आज यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद इस संदर्भ में पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस ने इस संदर्भ में विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कर रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि छह जनजातियों के जनजातिकरण के सिलसिले में राज्य की वर्तमान जनजातियों की अनुमति लेनी होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्रस्ताव में लिखा गया है कि राज्य की वर्तमान जनजातियों की क्षति किए बिना नई जातियों को जनजाति का दर्जा दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर यह लिखकर मामले को उलझा दिया है।

एसटीएफ ने ड्रग्स तस्करी के दो सरगनाओं को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। ड्रग्स तस्करी के दो सरगनाओं को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने आज बताया कि पड़ोसी राज्य से मादक पदार्थों की तस्करी की चल रही जांच में इंस्पेक्टर शंकर ज्योति नाथ के नेतृत्व में असम पुलिस की एसटीएफ टीम ने सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो सरगनाओं को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि वे इस व्यापक मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क को वित्तपोषित करने में भी शामिल हैं, जिससे बड़े पैमाने पर अवैध व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। पुलिस तस्करों से पूछताछ कर आगे की जांच जारी रखे हुए हैं। वहीं हाल के दिनों में राज्यभर में अभियान चलाकर तस्कर समेत बड़ी मात्रा में अवैध ड्रग्स व हिरोइन बरामद किए गए है। जहां एक तरफ असम पुलिस, आबकारी विभाग, एसटीएफ समेत कई अन्य सुरक्षा बल इस अभियान को अंजाम देने में जुटे हुए हैं।

अवैध टिंबर मिल समेत तस्करी की लकड़ी जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। पश्चिम कामरूप वन प्रभाग के अधीन है नगरबेड़ा नदी रिजर्व वन अधिकारी के कार्यालय के तहत नाइटर में आज वन विभाग की टीम ने छापा मारकर तस्करी की लकड़ी जब्त की और एक अवैध इमारती मिल का पर्दाफाश किया। पता चला है कि पश्चिम कामरूप वन प्रभाग के वन संरक्षण बल के सिद्धार्थ सिंहा के नेतृत्व में और नगरबेरा वन अधिकारी कार्यालय के वन कर्मचारियों के सहयोग से एक अवैध लकड़ी मिल को खाली कराया गया। इसके अलावा वन सुरक्षा बलों ने अभियान में बड़ी मात्रा में सेगौन, शॉल आदि लकड़ी जब्त किए। अवैध लकड़ी मिलों के साथ जब्त लकड़ी को नगरबेड़ा में वन विभाग के कार्यालय में ले जाया गया है।

बीएल संतोष की उपस्थिति में शुरू भाजपा की सांगठनिक बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सांगठनिक महासचिव बीएल संतोष की उपस्थिति में आज पार्टी के पूर्वोत्तर मुख्यालय पद्म भवन में संगठन की दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों ने आज पहले दिन की बैठक में भाग लिया। आज उन्होंने प्रभारी, सांगठनिक महासचिवों के साथ ही कोषाध्यक्ष, प्रदेश सचिव तथा संयोजकों के साथ उन्होंने अलग-अलग बैठकें कीं।

नकली नोट के कारोबार में शामिल एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबरी थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की एक टीम ने अभियान चलाकर नकली नोट के कारोबार में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जालुकबारी थाना क्षेत्र के देवकोटा नगर पश्चिम बोरा गांव इलाके में स्थित अविनाश सरकार के घर में चलाए गए अभियान के दौरान नकली नोट के कारोबार में शामिल अविनाश सरकार को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित के पास 500 रुपए के 1, 02500 रुपए नकली नोट, चार नकली सोने की नव और बिस्कुट जिसकी वजन 2.5 86 ग्राम, दो नकली नोट छापने वाली मशीन, एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। एसटीएफ इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

धुबड़ी (हिंस)। पश्चिम बिलासीपाड़ा में मालगाड़ी की चपेट आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा पश्चिम बिलासीपाड़ा के अटानी थाना अंतर्गत बनियामारी सस्तम ब्लॉक में हुई। शव का अंग-प्रत्यंग रेलवे लाइन के पास क्षत-विक्षत हालत में देखा गया। मृतक की पहचान अब्दुर रज्जाक (50) के रूप में हुई है। मृतक का घर बनियामारी चतुर्थ खंड में था। हादसा 180/4 प्वाइंट पर हुआ।

पूसी रेलवे का क्षेत्रीय रेल हिंदी नाटक प्रतियोगिता-2024 सफलतापूर्वक संपन्न

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे का क्षेत्रीय रेल हिंदी नाटक प्रतियोगिता-2024 मालीगांव स्थित लुईतगढ़ रेलवे ऑफिसर्स क्लब में 9 अगस्त, 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस नाटक प्रतियोगिता में तिनसुकिया, अलीपुरद्वार मंडल और कोचिंग डिपो, गुवाहाटी के एक-एक और पूसी रेलवे, मुख्यालय के दो नाटक टीमों ने प्रतिभागिता कीं। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर संदीप कुमार ने दीप प्रज्जवलन किया। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) विक्रम सिंह द्वारा मुख्य अतिथियों तथा निर्णायक टीम के सदस्यों का फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। इस दौरान निर्णायक के रूप में उपस्थित ज्योति नारायण नाथ और रबिजिता गोगोई ने सभी नाटकों का विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसी भी नाटक की आडियोबिलिटी, विजिबिलिटी और विश्वसनीयता उचित होनी चाहिए, ताकि दर्शक नाटक को अपने जीवन में देख सके। पूसी रेलवे मुख्यालय के कार्मिक (राजपत्रित) विभाग द्वारा प्रस्तुत नाटक *लालच* को सर्वश्रेष्ठ नाटक घोषित किया गया, जबकि कोचिंग डिपो, गुवाहाटी द्वारा प्रस्तुत *चप्पल* नाटक को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ और तिनसुकिया मंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक *बमानी गांव की क्रोधित लड़की* को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अलीपुरद्वार मंडल की प्रस्तुति एक और द्रोणाचार्य और पूसी रेलवे, मुख्यालय के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा प्रस्तुत *महारानी की जय हो* नाटक को प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नाटक की 15 विधाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ कलाकारों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नाटक की टीम को अखिल रेल हिंदी नाटक प्रतियोगिता में मंचन करने का सुअवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर संदीप कुमार ने मंचन किए गए सभी नाटकों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में और भी नाटक टीमों को इसमें शामिल कर इसे और व्यापक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने विजेता टीम को ट्राफी व प्रमाण पत्र समेत नकद स्वरूप 5000/- की राशि प्रदान की और भविष्य में रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित होने वाले नाटक के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागी टीमों को भी ट्राफी, प्रमाण पत्र व 4000/- रूपए तथा 3000/- रूपए के नकद पुरस्कार और प्रेरणा पुरस्कार पाने वाले दोनों टीमों को भी ट्राफी, प्रमाण पत्र व दो-दो हजार रूपए से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमें राजभाषा को एक नई दिशा व दशा देने के लिए नियमित प्रयास के अतिरिक्त कुछ ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे अधिक से अधिक लोग राजभाषा की ओर आकर्षित हो और वे अपने मूल कामकाज में हिंदी में करने लगे।

नव्या लेडीज क्लब का सिंझारा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

गुवाहाटी (विभास)। सावन का महीना आते ही त्यौहारों की बौछार आ जाती है, उनने से एक सिंझारा होता है। बहन बेटियों सुहागनों के इस उत्सव को हरियाली तीज के नाम से भी जाना जाता है। नव्या क्लब ने इस उत्सव को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ एक होटल में मनाया। इस प्रोजेक्ट की कन्वेनर रूपाली हिम्मतसिंहका, शिवानी अग्रवाल, नेहा अग्रवाल थीं। इस अवसर पर सदस्याओं के बीच कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अध्यक्षा कुसुम जैन, सचिव ज्योति भूत, कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, उपाध्यक्ष कविता शर्मा, चेयरपर्सन लता चोखनी, मिनाक्षी शर्मा, पिंकी सिंघल, शिवानी अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, रूपाली हिम्मतसिंहका, अंजना पटवारी, अंजू सेठिया, मनीषा मोदी, पूनम खेमानी, पूनम बाजोरिया, संगीता बाजोरिया, निवा सराफ, ऋतु अग्रवाल, ममता सिवोटिया, रेखा कनोई, नीतू बरेड़िया, हेमलता शर्मा सदस्याएं मौजूद थीं।

राष्ट्रीय राजमार्ग 127 पर सड़क दुर्घटना में एक की मौत

बजाली (हिंस)। बजाली में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 127 पर बीरबीरा में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। दुर्घटना में मृतक की पत्नी भी घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आज बताया कि भूटान से आ रहे ट्रक की चपेट में आने से उक्त बुजुर्ग पैदल यात्री की मौत हुई। मृतक की पहचान बीरबीरा दोलाई गांव के सोना दास (75) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बाद में व्यक्ति को पाठशाला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी को भी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

सात चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर बशिष्ठ पुलिस और हाथीगांव पुलिस की एक टीम ने चोरी के मामले की गुत्थी को सुलझाते हुए सात चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बशिष्ठ थाना और हतीगांव थाना की संयुक्त टीम तकनीकी विश्लेषण की मदद से चोरी के एक मामले को सुलझाया और छह चोर को गिरफ्तार किया। वहीं एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। साथ ही पुलिस ने चुराए गए नगद 7.66 लाख रुपए बरामद किया गया। गिरफ्तार चोरों की पहचान धुबड़ी के बिनोद साह, सिराज अली, बरपेटा के अब्दुल बारेक, नबीर अली और अजगर अली, फोजूर अली, दोनों को बोंगाईगांव से गिरफ्तार किया गया। चोरी घटना वाले कार्यालय के प्रबंधक गौतम चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया गया क्योंकि, यह लूट की योजना गौतम ने ही बनाई थी। अपराध को अंजाम देने के दौरान इस्तेमाल की गई एक स्कॉर्पियो गाड़ी को भी जब्त किया गया। घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रंगिया : सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय ने चलाया पौधरोपण अभियान

रंगिया (विभास)। उप-महानिरीक्षक राजीव राणा के मार्गदर्शन और निर्देशों के तहत सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय, रंगिया द्वारा शुक्रवार को नगर के आसपास के इलाकों में पौधरोपण अभियान चलाया गया। *एक पेड़ मां के नाम* नामक इस कार्यक्रम के तहत बल मुख्यालय द्वारा पुथिमारी और जवाहर ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में फलदार व छायादार और मूल्यवान लकड़ी के 600 से भी अधिक पौधे लगाए गए। इस दौरान बल के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित विद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों ने बड़ी खुशी और सक्रियता के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी को हमारे ग्रह पृथ्वी को बचाने के लिए पौधों के महत्व के बारे में अवगत किया गया और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। यह पौधरोपण अभियान भारत सरकार के निर्देश के अनुरूप किया गया।

लोकप्रिय महाकवि गोस्वामी तुलसीदास के जन्मोत्सव पर पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ इकाई की दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी केंद्रीय समिति तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सहयोग से सगुणमार्गी रामभक्ति काव्यधारा के लोकप्रिय महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की जन्म दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजित किया गया। जिसका विषय है रामकथा: गंगा से ब्रह्मपुत्र तक। इस आयोजन को लेकर विश्वनाथ चारिआलि के राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी के सभागृह में आज प्रात: 10 बजे पहला सत्र एवं उद्घाटन सत्र का शुभारंभ हुआ। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई के जिलाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा के अध्यक्षता में और जिलासचिव संतोष कुमार महतो के संचालित आयोजित उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्ज्वलक के रूप में लोकनाथ शास्त्री, व्यवस्थापिका सदस्य, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, मुख्य अतिथि के रूप में प्रभुनाथ सिंह, विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, विशिष्ट अतिथि के रूप में हरि प्रसाद लुईटेल, गीता वर्मा, अध्यापिका, हिंदी विभाग, विश्वनाथ महाविद्यालय तथा सूर्यनारायण पांडे, कार्यकारी अध्यक्ष, विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, विश्वनाथ मौजूद थे। सर्वप्रथम पूर्वोत्तर हिंदी साहित्यिक अकादमी के पदाधिकारी तथा सदस्य-सदस्या ने फुलाम गामोछा से सम्मानित किया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलक लोकनाथ शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित करके दीप -मंत्र से गरिमामय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। पूहिंसाअ विश्वनाथ जिला इकाई के सांगठनिक सचिव मनीषा पाल ने सरस्वती वंदना और स्वागत भाषण प्रस्तुति दी। उद्घाटन सत्र में उपस्थित दीप प्रज्ज्वलक, अतिथि, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों ने सगुणमार्गी काव्यधारा के महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन पर सारगर्भित भाषण देते हुए रामकथा गंगा से ब्रह्मपुत्र तक और विश्व के हर जनमानस से संबंधित पर व्याख्यान दी। वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुईटेल (उपाध्याय) ने गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस के ऊपर व्याख्यान देते हुए कहा तुलसीदास ने रामचरितमानस अमर काव्य विश्व को दान दिया और ज्ञान एवं भक्ति में समन्वय एक होते हुए भी भक्ति सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि भक्ति मुक्ति प्रदान करती है। जब तक इस धरती में सनातन रहेंगे तब तक गोस्वामी तुलसीदास अमर रहेंगे। अतिथि सूर्यनारायण पांडे ने वर्तमान कलियुग में रामकथा की प्रासंगिक को जोड़ते हुए आध्यात्मिक ज्ञान पर बल दिये। अध्यक्षीय भाषण प्रेम विश्वकर्मा ने कहा महाकवि तुलसीदास ने रामकथा के जरिए पूरे विश्व को जोड़ा है। रामकथा: गंगा से ब्रह्मपुत्र तक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से जनमानस तथा शोधार्थी प्रभावित होंगे। उपस्थित महानुभावों की सराहना की। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक तथा पूहिंसाअ विश्वनाथ जिला इकाई के जिलासचिव संतोष कुमार महतो ने उपस्थित अतिथि को धन्यवाद ज्ञापन की। स्वागत किया गया। इसके बाद राष्ट्रगान से उद्घाटन सत्र का समाप्ति हुई। इस मौके पर सांगठनिक सचिव मनीषा पाल, समानंद रौनियार, डोली दास घोष, आरती पाल, लखी पाल आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। उद्घाटन सत्र के बाद दूसरे सत्र का शुभारंभ ऑनलाइन माध्यम से हुआ। जिसमें संगोष्ठी संरक्षक के रूप में रीता सिंह सर्जना, अध्यक्ष, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, बीज वक्ता के रूप में डॉ. वीर कुंवर मार्तंड, साहित्यकार, कोलकाता, अध्यक्ष के रूप में डॉ. भगवान स्वरूप चैतन्य, अध्यक्ष ग्वालियर साहित्य संस्थान, ग्वालियर, विशेषज्ञ के रूप में क्रमशः प्रो. स्नेहलता नेगी, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सरोज कुमारी, विवेकानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय मौजूद थे।

संपादकीय

सामाजिक न्याय को मिलेगा बढ़ावा

सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण निर्णय दिया है कि राज्य सरकारें इन श्रेणियों में उपश्रेणियां बना सकती हैं ताकि इनमें ज्यादा पिछड़ी जातियों के लिए सब-कोटा निर्धारित किया जा सके। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को लेकर देशभर में मुद्दा बन गया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की हितैषी होने का दंभ भरने वाले लोग, संगठन और राजनीतिक दल सामाजिक न्याय को बढ़ावा देनेवाले इस निर्णय की गलत ढंग से व्याख्या कर रहे हैं। उनका कुतर्क है कि यह आरक्षण को खत्म करने की प्रक्रिया के तहत लिया गया निर्णय है। वे यह भूल रहे हैं कि यह निर्णय देश की सर्वोच्च न्यायालय ने लिया है, सरकार ने नहीं। दूसरी बात, उन्हें यह बात तो माननी पड़ेगी कि आरक्षण की व्यवस्था के इतने वर्षों बाद भी इन वर्गों में सबको आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका है। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि जिस सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण व्यवस्था को लाया गया, वर्तमान व्यवस्था उसकी पूर्ति में बाधक बनी हुई दिखायी दे रही है। उपरोक्त वर्गों के भीतर अंतिम पंक्ति में खड़े बंधुओं तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुँच पा रहा है क्योंकि जो लोग आरक्षण का लाभ पाकर मुख्यधारा में आ गए हैं, वे ही बार-बार आरक्षण का लाभ पा रहे हैं। एक और बात याद रखना भी आवश्यक है और इस वर्ग के बंधुओं को भी बताने की आवश्यकता है कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से उनके आरक्षण और उसके हिस्से पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। निर्णय के बाद और नयी व्यवस्था के बाद भी, विभिन्न वर्गों को सरकार द्वारा निर्धारित कोटे के अनुसार ही लाभ मिलेगा। सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया है। वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। याद हो कि क्रीमी लेयर लागू होने से अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे अनेक समाजों को आगे आने का लाभ मिल गया है, जो बहुत पीछे खड़े थे। यह निर्णय इसलिए भी ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस नवीन निर्णय के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय बहुत महत्वपूर्ण है। इस निर्णय को लेकर एक सकारात्मक वातावरण बनाए जाने की आवश्यकता है और यह जिम्मेदारी प्रबुद्ध वर्ग के साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के नेतृत्व की भी है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की हितैषी होने का दंभ भरने वाले लोग, संगठन और राजनीतिक दल सामाजिक न्याय को बढ़ावा देनेवाले इस निर्णय की गलत ढंग से व्याख्या कर रहे हैं। उनका कुतर्क है कि यह आरक्षण को खत्म करने की प्रक्रिया के तहत लिया गया निर्णय है। वे यह भूल रहे हैं कि यह निर्णय देश की सर्वोच्च न्यायालय ने लिया है, सरकार ने नहीं। दूसरी बात, उन्हें यह बात तो माननी पड़ेगी कि आरक्षण की व्यवस्था के इतने वर्षों बाद भी इन वर्गों में सबको आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका है। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि जिस सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण व्यवस्था को लाया गया, वर्तमान व्यवस्था उसकी पूर्ति में बाधक बनी हुई दिखायी दे रही है। उपरोक्त वर्गों के भीतर अंतिम पंक्ति में खड़े बंधुओं तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुँच पा रहा है क्योंकि जो लोग आरक्षण का लाभ पाकर मुख्यधारा में आ गए हैं, वे ही बार-बार आरक्षण का लाभ पा रहे हैं। एक और बात याद रखना भी आवश्यक है और इस वर्ग के बंधुओं को भी बताने की आवश्यकता है कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से उनके आरक्षण और उसके हिस्से पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। निर्णय के बाद और नयी व्यवस्था के बाद भी, विभिन्न वर्गों को सरकार द्वारा निर्धारित कोटे के अनुसार ही लाभ मिलेगा। सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया है।

पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किये गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है

विश्व आदिवासी दिवसः एक बड़े जनजातीय नर संहार के स्मरण का शोक दिवस

प्रवीण गुगनानी

अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों में वहां के बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दु:ख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक नरसंहार करके उन्हें उनके मूलनिवास से खदेड़ दिया था और नगर छोड़कर सुदूर जंगलों में बसने को विवश कर दिया था।

विदेशी शक्तियां भारतीय समाज को विखंडित करने हेतु मूलनिवासी दिवस का उपयोग कर रहीं हैं। पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किये गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित व दमित जनजातीय समाज द्वारा उत्सव व गौरवदिवस रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! आश्चर्य यह है कि पश्चिम जगत, झूठे विमर्श गढ़ लेने में माहिर छदम बुद्धिजिवियों के भरोसे जनजातीय नरसंहार के इस दिन को जनजातीय समाज द्वारा ही गौरवदिवस के रूप में मनवाने कुचक्र में सफल हो रहा है। अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों में वहां के बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक नरसंहार करके उन्हें उनके मूलनिवास से खदेड़ दिया था और नगर छोड़कर सुदूर जंगलों में बसने को विवश कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिये कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरुप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया और आश्चर्य यह कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फंस गए। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय यौद्धाओं का समृद्ध इतिहास है जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई कई गौरवमई अभियान चलाये व भारतमाता को स्वतंत्र कराने हेतु अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

जनजातीय व वनवासी समाज की प्रतिष्ठा, उसके रक्षण व विकास की भारत में प्राचीन परंपरा रही है। प्रकृति पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं अपितु शेष समाज का रक्षक भी रहा है यह तथ्य भी हमें प्राचीन भारतीय परम्पराओं व लेखन से मिलता है। मूल निवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन कंदराओं में निवास करने वाले बंधू दोनों का ही अपना अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म

को ही भिन्न रूपों में माना करते थे।

शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रहा है जिसे वन कंदराओं में रहने वाले जनजातीय बंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी। वेदों, शास्त्रों, शिलालेखों, जीवाश्मों, श्रुतियों, पृथ्वी के सरंचनात्मक विज्ञान, जेनेटिक अध्ययनों आदि के आधार पर जो तथ्य सामनें आते हैं उनके अनुसार पृथ्वी पर प्रथम जीव की उत्पत्ति गोंडवाना लैंड पर हुई थी जिसे तब पेंजिया कहा जाता था। पेंजिया गोंडवाना व लारेशिया को मिलाकर बना था। गोंडवाना लैंड के अमेरिका, अफ्रीका, अंटार्कटिका, आस्ट्रेलिया एवं भारतीय प्रायद्वीप में विखंडन के पश्चात यहां के निवासी अपने-अपने क्षेत्र में बंट गए थे। जीवन का विकास सर्वप्रथम भारतीय दक्षिण प्रायद्वीप में नर्मदा नदी के तट पर हुआ जो विश्व की प्राचीनतम नदी है। मध्यप्रदेश के भीम बैठका में पाए गए पच्चीस हजार वर्ष पुराने शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई, तथा मेहरगढ़ के अलावा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पुरातत्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत भूमि, विश्व के प्राचीनतम आदिमानव की कर्मभूमि रही है। यही आदिमानव वैदिक या सनातन संस्कृति के जन्मदाता थे। डॉ. शशिकांत भट्ट की पुस्तक नर्मदा वैली : कल्चर एंड सिविलाइजेशन में, नर्मदा घाटी सभ्यता के विषय में में विस्तार से उल्लेख मिलता है। नर्मदा किनारे मानव खोपड़ी का पांच से छः लाख वर्ष पुराना जीवाश्म मिला है जो सनातन धर्म के सर्वाधिक प्राचीन धर्म होने के अकाट्य प्रमाण को वैश्विक पटल रखता है। पौराणिक ग्रंथों में जिस "रेवाखंडे" शब्द का प्रयोग मिलता है नर्मदा संस्कृति की प्राचीनता को प्रकट करता है। इन सब तथ्यों के प्रकाश में यह प्रश्न उपजता है कि अंततः यह मूलनिवासी दिवस मनाने का चलन उपजा क्यों व कहां से? वस्तुतः यह मूलनिवासी दिवस पश्चिम के गोरों की देन है। कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाये जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध बोध को स्वीकार करनें के दिवस के रूप में मनाया जाता है। अमेरिका से वहां के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देनें की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस का नाम है मूल निवासी दिवस।

वस्तुतः इस मूलनिवासी फंडे पर आधारित यह नई विभाजनकारी रेखा एक नए षड्यंत्र के तहत भारत में लाई जा रही है जिससे भारत को सावधान रहनें की आवश्यकता है। आज भारत सामाजिक समरसता के नये आयाम गढ़ रहा है व अंग्रेजों व परिवर्तन कुछ भारत विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य करते हैं कुछ भारत विरोधी व विभाजनकारी लोग। मूल निवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गयें हैं व भारत के भोले भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहें हैं। इस पूरे मामले की जड़ बाबा साहब अम्बेडकर के धर्म परिवर्तन के समय दो धर्मों; इस्लाम एवं इसाईयत में उपजी निराशा में व कम्युनिस्टों की सोच में है। ईसाइयत व इस्लाम धर्म नहीं अपनानें को लेकर बाबा साहब के विचार सुस्पष्ट रहें हैं, उन्होंने सस्वर कहा व लिखा कि उनकें अनुयायी इस्लाम व ईसाइयत से दूर रहें। किंतु आज मूलनिवासी वाद के नाम पर भारत का दलित व जनजातीय समाज एक बड़े इसाई व इस्लामी षड्यंत्र का शिकार हो रहा है।

एक बड़े और एकमुश्त धर्म परिवर्तन की आस में बैठे ईसाई धर्म प्रचारक तब बहुत ही निराश व हताश हो गए थे जब बाबासाहब अम्बेडकर ने किसी भारतीय भूमि पर जन्में व भारतीय दर्शन आधारित धर्म में जानें का निर्णय अपनें अनुयाइयों को दिया था। कम्युनिस्ट विचार व इसाई धर्म के इसी षड्यंत्र का अगला क्रम है मूलनिवासी वाद का जन्म! भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़नें व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासी वाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के कुप्रभाव में आकर कुछ दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहां हिन्दू वर्ण व्यवस्था को लागू किया।

दृष्टि कोण

शिक्षा से वंचित बच्चों का भविष्य

मेरे चार बच्चे हैं। इन्हें स्कूल भेजना तो दूर, खाना खिलाने के लिए भी पैसे नहीं होते हैं। कभी मज़दूरी मिलती है और कभी नहीं मिलती है। ऐसे में मैं इनके खाने की व्यवस्था करूं, या इनकी शिक्षा के लिए चिंता करें? पहले स्कूल में एडमिशन कराने का भी प्रयास किया था। लेकिन जन्म प्रमाण पत्र के बिना स्कूल एडमिशन देने को तैयार नहीं हैं। मैं स्लम बस्ती में रहता हूं। पचास साल पहले मेरे पिता यहां स्थाई रूप से रहने लगे थे। लेकिन आज तक हम में से किसी का आधार कार्ड नहीं बना है। ऐसे में महिलाएं घर पर ही बच्चों को जन्म देती हैं। जिनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाता है। इसके बिना स्कूल एडमिशन देने को तैयार नहीं हैं। आप बताओ मैं मज़दूरी कर बच्चों का पेट भरूं या इनके एडमिशन के लिए मज़दूरी छोड़कर भाग दौड़ करूं?" यह कहना 40 वर्षीय भोला राम जोगी का, जो राजस्थान की राजधानी जयपुर के रावण मंडी स्थित स्लम बस्ती में रहते हैं।

भले ही राज्य की राजधानी होने के कारण जयपुर शहर बहुत सारी सुविधाओं से लैस होगा। लेकिन इसी जयपुर में आबाद रावण की मंडी नाम से मशहूर स्लम बस्ती कई बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। करीब 300 लोगों की आबादी वाले इस बस्ती में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के अधिकतर परिवार निवास करते हैं। जिनमें जोगी, कालबेलिया और मिरासी समुदायों की संख्या अधिक है। यहां स्वास्थ्य और पीने के पानी की समस्या के साथ साथ बच्चों की शिक्षा भी सबसे प्रमुख मुद्दा है। अधिकतर बच्चे स्कूल जाने की जगह दिन भर खाली घूमते हैं। इसकी वजह से वह कई बार बुरी आदतों का भी शिकार हो जाते हैं। इस सिलसिले में बस्ती के 35 वर्षीय कल्ला राम जोगी कहते हैं कि "बच्चों का आधार कार्ड नहीं

बना होने के कारण उनका किसी स्कूल में एडमिशन नहीं होता है। इसलिए मेरे बच्चे स्कूल न जाकर मेरे द्वारा किये जा रहे कामों को सीखते हैं।" कल्ला राम बांस के बने सामानों को बनाने का काम करते हैं। जिसमें उनकी पत्नी हाथ बंटाती है। अब वह बच्चों के स्कूल नहीं जाने के कारण उन्हें अपना यह पुश्तैनी काम सिखा रहे हैं। वह बताते हैं कि कुछ वर्ष पूर्व तक विक्रम नाम का एक लड़का स्वैच्छिक रूप से बस्ती के बच्चों को शिक्षित करने आता था। बस्ती के सारे बच्चे उससे पढ़ने जाते थे। जिससे वह थोड़ा बहुत पढ़ना लिखना सीखने लगे थे। लेकिन फिर वह अचानक ही आना बंद कर दिया, जिसके बाद अब बच्चों को कोई भी पढ़ाने नहीं आता है।

इस बस्ती के लगभग 25 परिवार कालबेलिया और मिरासी जबकि 35 परिवार जोगी समुदाय के हैं। इनमें करीब 50 से 60 लड़के और लड़कियां ऐसी हैं जिनकी उम्र स्कूल जाने की है। लेकिन वह शिक्षा ग्रहण करने की जगह या तो दिन भर खाली घूमते हैं अथवा परिवार की पारंपरिक कलाओं को सीखते हैं। वहीं इस बस्ती में छोटे बच्चों के लिए भी आंगनबाड़ी की कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि इस बस्ती से करीब दो किमी दूर एक प्राइवेट स्कूल भी संचालित है। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह अपने बच्चों को वहां पढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। बच्चे और किशोर स्कूल नहीं जाने की वजह से गलत संगत में आकर आपराधिक कामों में लिप्त होने लगे हैं। बस्ती के अंदर किराना स्टोर चलाने वाले अजय (बदला हुआ नाम) कहते हैं कि "किशोर स्कूल नहीं जाने के कारण गलत दिशा में भटकने लगे हैं। वह दिन भर ताश और जुआ खेलते हैं। कुछ किशोर नशे में भी लिप्त पाए जाने लगे हैं। इसके लिए वह बस्ती और आसपास के दुकानों में चोरियां भी करने लगे हैं। किसी के भी घर या बाहर रखे सामानों की चोरियां करने लगे हैं। जो इस समाज और क्षेत्र के लिए बहुत चिंता का विषय है।" वहीं एक अन्य निवासी गंगा राम बताते हैं कि "कई बार इस बस्ती में अलग अलग संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता आते हैं और विकास से जुड़े पहलुओं पर काम करते हैं। जिसका बस्ती वालों को थोड़े समय के लिए लाभ भी मिलता है। लेकिन कोई भी बच्चों और किशोर-किशोरियों की शिक्षा पर काम नहीं करता है।

कुछ अलग

खोटे सबूत

हिमाचल में इस बार कालेज प्रवेश की अंतिम तारीख तक पहुंचते-पहुंचते, यह तो तसदीक हो गया कि शिक्षा के ये सबूत खोटे साबित हो रहे हैं। पहले भी कालेजों का एक जखीरा ऐसा है जो हर बार लुढक़ता है, लेकिन इस बार पिछले साल की शुमारी हासिल करना भी टेढ़ी खीर साबित हो रही है। ऐसे में क्या स्कूलों के बाद कालेज भी मर्ज होंगे या महाविद्यालयों का चरित्र बदला जाएगा। छात्र बीवॉक जैसे पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता में संदेह कर रहे हैं, उन्हें विज्ञान जैसे विषय मोहित नहीं कर रहे। धर्मशाला जैसे बड़े, ऐतिहासिक व प्रतिष्ठित कालेज में 367 सीटों का खाली रह जाना, कुछ विषयों की उपयोगिता पर गहरे प्रश्रन उठाता है। इस तरह हिमाचल में शिक्षा, चिकित्सा व परिवहन के सरकारी दस्तूर को जनता नकराते हुए किनारे लगा रही है। जोगिंद्रनगर में फैला पीलिया बता रहा है कि हमारी स्वास्थ्य सेवाएं कितनी सक्षम हैं। मेडिकल कालेज टांडा को अब तक जोगिंद्रनगर के पीड़ितों को सुरक्षा कवच पहना देना चाहिए था तथा जलशक्ति विभाग को पानी का पूर्ण शुद्धिकरण कर देना चाहिए था, लेकिन हम हर घटना को या तो हल्के से या किसी हलके तक लेते हैं। इन दोनों विभागों के मंत्री अगर जोगिंद्रनगर पहुंच गए होते तो काम की तासीर और सरकारी दम खम में ऊर्जा आ जाती। हम बरसात में जहां खड़े होते हैं, वहां न विभाग और न ही मंत्री महोदय होते हैं। कुछ दिन पहले धर्मशाला के बस स्टैंड को मुर्दा हालत के बावजूद सियासी तखल्लुख मिलता है, लेकिन अगले ही दिन इसी बस अड्डे से निकली कालका के लिए एक बस मटौर में दम तोड़ देती है। जाहिर है लंबी बस ने घंटों जाम लगा कर सैकड़ों लोगों का समय, वाहनों का ईंधन और कामकाज की बर्बादी कर दी, लेकिन यह एक घटना मान ली गई, क्यों जब यह बस मटौर में अड़ी थी, तो उसी समय न जाने कितनी बसें अपने-अपने रूट को रोककर कहीं अन्यत्र खड़ी थीं। आश्चर्य तब होता है जब रात्रि बस सेवाओं की परिपाटी में निजी बसें अपनी बादशाहत में सरकारी बसों को पछाड़ देती हैं। हम विकसित होती विफलता की एक परिभाषा सरकारी क्षेत्र में देख रहे हैं। देख रहे हैं कि प्रदेश के टूरिस्ट डेस्टिनेशन में सरकारी होटल घाटे के निगम का सबूत बन रहे हैं, लेकिन कमोबेश हर सरकार को नए होटल बनाने हैं। हम देख रहे हैं घाटे की सरकारी बसें, लेकिन हर सरकार को कुछ नए बस डिपो बनाने हैं। हमने जरूरत से अधिक मेडिकल कालेज खोल दिए, लेकिन पीजीआई चंडीगढ़ के गलियारों में हिमाचली मरीजों का दर्द नहीं घटा पाए। हम भवन निर्माण की सरकारें देख रहे हैं। इमारतों के भीतर कहीं उपयुक्त डाक्टर नहीं, कहीं अध्यापक नहीं और कहीं छात्र नहीं। हमें शिक्षा, चिकित्सा व परिवहन की प्रणाली में सुधार एवं गुणवत्ता की दृष्टि से जो चाहिए, उस पर बड़े विचार नहीं- आंशिक सुधार चाहिए। आज की स्थिति में हिमाचल के सौ के करीब छोटे बड़े शहरों में सरकार के अस्पतालों को 24म7 सिटी हास्पिटल का मजबूत दर्जा चाहिए। प्रदेश के प्रमुख बीस-पच्चीस कालेजों को शिक्षा का मानक बनाने का जज्बा चाहिए। ऐसी बस सेवाएं चाहिएं जो निजी वाहनों की तादाद कम कर दें। हमें क्या जरूरत कि लंबे रूटों के नाम पर इश्तिहार बनाएं। सर्वप्रथम इंटरसिटी कनेक्टिविटी के लिए यात्रा का समय घटाएं। पूर्व परिवहन मंत्री स्व. जीएस बाली ने प्रदेश की राजधानी व कुछ पर्यटकों को जोड़ते हुए एक्सप्रेस बस सेवाओं के तहत छोटे वाहन चलाए थे, लेकिन अब यह सफर बंद हो बया। क्या एचआरटीसी की बसें धर्मशाला से शिमला का सफर पांच घंटे में नहीं करवा सकतीं। क्या हमारे विश्वविद्यालय कम्प्यूटर साइंस, एमबीए तथा अन्य प्रोफेशनल कोर्सों के जरिए राष्ट्रीय पहचान नहीं बना सकते। क्या हमें प्रयास नहीं करना चाहिए कि कुछ स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए मेडिकल टूरिज्म का एक विश्वसनीय आधार पैदा किया जाए।

देश दुनीया से

रोज़गार के वास्ते पलायन की मजबूरी

परिवार के लिए दो वक़्त की रोटी की व्यवस्था करने के लिए लोग अपने गांव से निकल कर दूसरे शहरों और राज्यों का रुख करते हैं। जहां वह खेतों, फैक्ट्रियों और दिहाड़ी मज़दूर के रूप में 16 से 17 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं। जिसके बाद भी वह मुश्किल से 15 से 20 हज़ार रूपए महीना कमा पाते हैं। पलायन का आंकड़ा सबसे अधिक उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड में देखने को मिलता है, जहां प्रति वर्ष लाखों लोग रोज़गार की खातिर गांव छोड़कर कभी अकेले तो कभी परिवार के साथ दिल्ली, नोएडा, पंजाब, हरियाणा, सूरत, मुंबई और कोलकाता का रुख करते हैं।

हमारा देश जिन बुनियादी आवश्यकताओं से जूझ रहा है उसमें रोज़गार एक प्रमुख मुद्दा है। विशेषकर हमारा ग्रामीण इलाका इससे बहुत अधिक प्रभावित है। जिसके कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण शहरों, महानगरों और औद्योगिक इलाकों की ओर पलायन करने को मजबूर होता है। परिवार के लिए दो वक़्त की रोटी की व्यवस्था करने के लिए लोग अपने गांव से निकल कर दूसरे शहरों और राज्यों का रुख करते हैं। जहां वह खेतों, फैक्ट्रियों और दिहाड़ी मज़दूर के रूप में 16 से 17 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं। जिसके बाद भी वह मुश्किल से 15 से 20 हज़ार रूपए महीना कमा पाते हैं। पलायन का आंकड़ा सबसे अधिक उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड में देखने को मिलता है, जहां प्रति वर्ष लाखों लोग रोज़गार की खातिर गांव छोड़कर कभी अकेले तो कभी परिवार के साथ दिल्ली, नोएडा, पंजाब, हरियाणा, सूरत, मुंबई और कोलकाता का रुख करते हैं। गांव में रोज़गार का कोई साधन उपलब्ध नहीं होने की वजह से पलायन करना इनकी मज़बूरी हो जाती है।

बिहार के कई ऐसे गांव हैं जहां प्रति वर्ष ग्रामीणों की एक बड़ी आबादी रोज़गार के लिए पलायन करती है। इनमें अधिकतर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और पसमांदा तबके की है। जो आर्थिक रुप से काफी कमज़ोर होते हैं। इन्हीं में एक उचला गांव भी है। बोध गया से करीब 54 किमी दूर बांकेबाज़ार ब्लॉक के रौशनगंज पंचायत स्थित इस गांव की यह विडंबना है कि यहां के अधिकतर परिवार का कोई एक सदस्य रोज़गार के लिए पलायन कर चुका है। इस संबंध में 45 वर्षीय सीता देवी बताती हैं कि उनके पति और बेटा उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर नोएडा के अलग अलग फैक्ट्री में मज़दूर के रूप में काम करते हैं। पहले पति अकेले कमाने जाते थे। लेकिन इस वर्ष उनके 4 बच्चों में 2 बेटे 18 वर्ष की उम्र के बाद पिता के साथ कमाने निकल गए। वह बताती हैं कि एक बेटा 12वीं तक पढ़ा है, इसलिए उसे पिता और अन्य भाई की तुलना में ज़्यादा पैसे मिलते हैं। इससे घर की आर्थिक स्थिति अच्छी होने की उम्मीद है। सीता देवी बताती हैं कि 12वीं कर उनके बेटे ने गया में ही काम ढूंढने का बहुत प्रयास किया लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली इसलिए अब वह भी बाहर रहकर ही कमायेगा। कोलकाता में टैक्सी चलाने का काम करने वाले 27 वर्षीय श्याम रजक कहते हैं कि उन्होंने भी 12वीं के बाद गांव में ही रहकर रोज़गार का कोई साधन तलाश करना चाहा, ताकि माता-पिता के साथ रह सकें। लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो उन्होंने पैसे कमाने के लिए पलायन करना ही उचित समझा।

करीब 350 परिवारों वाले इस गांव में उच्च वर्ग और अनुसूचित जाति की मिश्रित आबादी निवास करती है। उच्च वर्ग जहां खेती के लिए पर्याप्त ज़मीन और रोज़गार के स्थानीय साधन के साथ आर्थिक रूप से संपन्न है तो वहीं अनुसूचित जाति के अधिकतर परिवारों के पास कृषि योग्य उतनी ज़मीन नहीं है कि उनके परिवार की आजीविका चल सके। जिसकी वजह से इस समुदाय के ज़्यादातर पुरुष गांव से निकल कर शहरों और औद्योगिक इलाकों का रुख करते हैं और कामगार या दैनिक मज़दूर के रूप में काम करते हैं। संतोष पासवान बताते हैं कि गांव में अनुसूचित जाति में पासवान समुदाय की बहुलता है। जिनके लगभग 60 प्रतिशत पुरुष रोज़गार के लिए बाहर कमाने निकल गए हैं, इनमें करीब दस प्रतिशत महिलाओं की संख्या भी है। जो महिलाएं घर परिवार की देखभाल के लिए गांव में रह जाती हैं, वह भी उच्च वर्ग के खेतों में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करती हैं ताकि परिवार के लिए अतिरिक्त आय अर्जित हो सके। संतोष बताते हैं कि गांव में रहकर रोज़गार का कोई विकल्प नहीं है। लघु उद्योग या कोई सेल्फ हेल्प ग्रुप में संचालित नहीं है जिससे जुड़कर लोग गांव में ही रहकर काम कर सकें। यहां तक कि मनरेगा के तहत भी बराबर काम नहीं मिलता है। कुछ परिवार के पुरुष गया शहर में निजी बस सर्विस से जुड़कर ड्राइवरी का काम करते हैं। लेकिन यह संख्या बहुत मामूली है क्योंकि ड्राइवरी का काम कर लेना हर किसी की बात नहीं होती है।

पलायन से केवल पुरुष ही प्रभावित नहीं होते हैं बल्कि उनका पूरा परिवार इससे प्रभावित होता है। गांव के कई ऐसे परिवार हैं जहां पुरुष अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रोज़गार के लिए पलायन कर चुके हैं और गांव में केवल उनके बूढ़े माता-पिता रह गए हैं। 76 वर्षीय बिंदेश्वरी रजक और 70 वर्षीय उनकी पत्नी जगुना रजक बताती हैं कि उनके दोनों बेटे अपने परिवार के साथ नोएडा और लुधियाना चले गए हैं। जहां दोनों की पत्नियां भी फैक्ट्री में काम करती हैं। केवल विशेष पर्व त्योहारों में ही वह घर आते हैं। उनके पीछे यह बुज़ुर्ग किसी प्रकार अपना जीवन काट रहे हैं। वहीं 68 वर्षीय संजय पासवान बताते हैं कि गांव में रोज़गार उपलब्ध नहीं होने के कारण वह भी सूरत की कपड़ा फैक्ट्री में काम कर चुके हैं और अब उनका बेटा अपने परिवार के साथ उसी फैक्ट्री में काम करता है जबकि संजय बढ़ती उम्र के कारण अब गांव में ही पत्नी के साथ रहते हैं।

आप का नजरीया

जीत जैसी शिकस्त

जीवटता की धनी महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था। देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था। लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी। निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है। खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है। कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी। भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था। इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिये थोड़ा समय मांगा था। लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है। रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है। ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अवसर तय किये जा सकें। यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है। इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती। हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है। साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है। फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है। विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है। लेकिन भारतीयों के लिये यह फैसला असहनीय है। निस्संदेह, हर भारतीय के लिये यह फैसला कष्टदायक है। वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं। उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं। आप में लड़ने की क्षमता है। आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है। निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है। भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं। बेशक, फाइनल में खेलने के लिये वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी। विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी। उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता।

ग्रुप डी का परीक्षा परिणाम जारी, 3774 युवा हुए पास

पिछले साल अक्तूबर में हुई थी परीक्षा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप डी की भर्तियों का परिणाम जारी कर दिया है, जिसमें 3774 युवा पास हुए हैं। आयोग ने रिजल्ट कैटेगरी और रोल नंबर वार कट ऑफ जारी की है। ग्रुप डी के बचे हुए पदों का परिणाम जारी होने में देरी का कारण पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट के केस को बताया जा रहा है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने 31 मई को सामाजिक-आर्थिक मापदंड के अंकों को 31 मई 2024 तक खत्म करने का फैसला सुनाया था, इसलिए राज्य सरकार ने करीब 300 नए पदों की सूची भेजी थी। शुक्रवार देर शाम से इन पदों को शामिल कर बचे हुए पदों का रिजल्ट जारी करने की कोशिश की जा रही थी। सभी तकनीकी दिक्कतों को दूर करने के बाद यह रिजल्ट जारी किया गया है। आयोग ने सीईटी परीक्षा के आधार पर ग्रुप डी के 13 हजार 536 पदों पर भर्ती निकाली थी। इस भर्ती के लिए नोटिफिकेशन 5 जून 2023 को जारी किया गया था। इसके लिए आवेदन 6 जुलाई 2023 तक भरे गए थे। भर्ती के लिए पिछले साल 21 और 22 अक्तूबर को परीक्षा का आयोजन किया गया था। इसमें 13 लाख से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया था। इसमें से आधे पदों पर भर्ती के लिए परिणाम 8 मार्च 2024 को घोषित कर दिया था। अब बाकी बचे हुए पदों पर भर्ती के लिए भी रिजल्ट जारी कर दिया गया है। शनिवार को ग्रुप डी का परिणाम जारी होने के बाद सीएम नायब सैनी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भर्ती रोको गैंग की तमाम कोशिशों और बाधाओं को पार करते हुए हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन का मेरिट पर युवाओं को धड़ाधड़ रोजगार देने का सिलसिला अनवरत जारी है। सीएम ने कहा कि आज 3774 युवाओं का ग्रुप डी के लिए चयन हुआ है। योग्यता के आधार पर आप सब ने ये मंजिल हासिल की है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने 1456 जेबीटी शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है। आयोग ने सबसे पहले इन पदों के लिए विज्ञापन तैयार कर मौलिक शिक्षा विभाग को भेजा था। वहां से देरी होने पर सरकार ने पिछले दिनों एचटीईटी को आजीवन घोषित कर दिया। उसके बाद विज्ञापन में थोड़ा संशोधन करना पड़ा। यह संशोधन मौलिक शिक्षा निदेशालय को भेजा गया, अब वहां फाइनल होने के बाद भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया। युवा जेबीटी पदों के लिए विज्ञापन का इंतजार इसलिए कर रहे थे, क्योंकि 10 साल के भीतर एक भी जेबीटी शिक्षक पद पर भर्ती नहीं हुई।

भाजपा सरकार बजट में हरियाणा की उपेक्षा कर रही 7 रुपया लेकर 1 रुपया वापस दे रही : दीपेन्द्र हुड्डा

झज्जर (हिंस)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने शनिवार को हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत बहादुरगढ़ विधान सभा क्षेत्र में रेलवे स्टेशन से काठ मंडी, रेलवे रोड मेन बाजार, किला मोहल्ला तक पदयात्रा की। इस दौरान पदयात्रा में उमड़ी भारी भीड़ ने जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया और रास्ते में फूल बरसाकर उनको अपना समर्थन दिया। पदयात्रा के दौरान हुई भारी बारिश के बावजूद लोग डटे रहे और पानी में भीगते हुए ही दीपेन्द्र हुड्डा के साथ चलते रहे। दीपेन्द्र हुड्डा ने कि रेल बजट हो या खेल बजट केंद्र की बीजेपी सरकार बजट में हरियाणा की उपेक्षा करती है। भारत सरकार के बजट में 28 प्रदेशों में सबसे कम बजट हरियाणा को मिला। केंद्र सरकार हरियाणा से जीएसटी में 7 रुपया वसूलकर हरियाणा को केवल 1 रुपया वापस दे रही है। जो पूरे देश में सबसे कम है और हरियाणा के साथ घोर अन्याय है। प्रति व्यक्ति के हिसाब से देखें तो 29 प्रदेशों में सबसे कम यानी 6938 रुपया हरियाणा को मिल रहा है। जबकि, अरुणाचल में 140000 और गोवा हरियाणा के एक जिले जितना है, को 40000 रुपया दिया जा रहा है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बजट देने में हरियाणा को भूली भाजपा सरकार को चुनाव में लोग वोट देना भूल जाएंगे। इस दौरान विधायक राजेन्द्र जून, विधायक गीता भुक्कल उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस साल के खेलो इंडिया के बजट में 2200 करोड़ में से हरियाणा को केवल 65 करोड़ दिया। वहीं, गुजरात, यूपी जैसे प्रदेशों को 500 करोड़ से ज्यादा दिया। जबकि ओलंपिक में देश के 6 मेडल में से 5 मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। उन्होंने यह भी कहा कि ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले 21 प्रतिशत खिलाड़ी हरियाणा के हैं। पिछले 4 ओलंपिक, एशियाई और कॉमनवेल्थ खेलों में देश के लिए 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। बहादुरगढ़ शहर की दुर्दशा का मुद्दा उठाते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि यहां न सफाई की व्यवस्था है, न सड़कें सही है। रोड में गड्ढे तो सुने थे लेकिन लोग बता रहे रोड में जोहड़ बन गए। सरकार ने लोगों को प्रापर्टी आईडी, पोर्टल में उलझा दिया। गांव में लोगों ने उनको बताया कि बुजुर्गों को मृत दिखाकर उनकी पेंशन काट दी। सब्जी मंडी में दुकानों के आगे दीवार बना दी। अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूल बंद करा दिए। साखोल गांव के आगे मेट्रो का एक खंबा भी 10 साल में नहीं बना।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन पर 11 अगस्त से होगा सप्त शक्ति हॉर्स शो

बीकानेर (हिंस)। सप्त शक्ति हॉर्स शो 2024 का आयोजन 61 कैवेलरी, सप्त शक्ति कमांड के तत्वावधान में 11 अगस्त से 19 अगस्त 2024 तक जयपुर मिलिट्री स्टेशन के कैवलरी पोलो ग्राउंड में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में फेडरेशन इक्वेस्ट्रियन इंटरनेशनल और इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडियन के नियमों के तहत ड्रेसेज, शो जंपिंग और टेंट पेगिंग सहित कई प्रतियोगिताएं होंगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित संस्थानों की टीमों सहित विभिन्न प्रकार की सिविल और सैन्य टीमों भी भाग लेगी, जो उभरते और अनुभवी दोनों तरह के घुड़सवारों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। उल्लेखनीय भाग लेने वाली टीमों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, राजस्थान पुलिस बल, सागर घुड़सवारी स्कूल और मेयो कॉलेज, अजमेर शामिल हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला पर बीरेंद्र सिंह का पलटवार

जींद (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक बात कही थी जिसमें मैं पक्षधर हूं। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि अगर हमारी चलती है तो हम विनेश फोगाट को राज्यसभा में भेजेंगे। विनेश फोगाट ने कुश्ती से सन्यास का फैसला लिया है। मेरी सबसे कांग्रेस, जेजेपी या उसे अलग कोई भी लोग हो, सभी निर्दलीय इकट्ठे होकर फैसला ले कि विनेश फौगाट को राज्यसभा भेजेंगे। विनेश फोगाट यह फैसला कर ले कि मैं लड़ूंगी और राज्यसभा की एमपी भी बनूंगी और ओलम्पिक में भी अगला मेडल लेकर आऊंगी। बीरेंद्र सिंह शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। यहां दुष्यंत चौटाला ने कहा था कि मैं उचाना से चुनाव लड़ूंगा कहीं बीरेंद्र सिंह परिवार उचाना छोड़ कर ना भाग जाए के सवाल पर कहा कि उसको उचाना से चुनाव लाड़वा दो और हमारे हल्के में 90-92 हजार वोट लिए थे। वह सब वोटर इंतजार में है और उनको सम्मान सहित कुछ ना कुछ कहेंगे कि जो 92 हजार वोट लेकर गए थे। अब हमको यह बता दो कि स्वर्ग अब कितनी दूर है लेकिन स्वर्ग मिलेगा की नहीं, क्योंकि बीजेपी को तो जमुना पार लेकर जाना था। उचाना के लोगों को स्वर्ग में लेकर जाना था। वह स्वर्ग में खुद चला गया यहां के लोगों को छोड़ गया।

हिंदू युवा वाहिनी ने सलमान खुर्शीद के बयान पर जताया विरोध, फूंका पुतला

मीरजापुर (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के बयान पर हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने रोष जताया। शनिवार को पुतलीघर स्थित जाह्नवी होटल तिराहे पर सलमान खुर्शीद का पुतला दहन किया। निवर्तमान जिला संयोजक हिंदू युवा वाहिनी अमित श्रीनेत ने कहा कि हम एक हाथ में माला और दूसरे हाथ में भाला लेकर के चलने वाले सनातनी है। हमारी आस्था और विचारों पर किसी भी व्यक्ति

ने ठेस पहुंचाया तो हश्र बुरा होगा। हियुवा कार्यकर्ताओं ने कहा कि सलमान खुर्शीद के बयान से हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचा है। सरकार बयान को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई करें। इस दौरान सभासद धीरज सोनकर, अजय पांडेय, सभासद शिव सोनी, वीरेंद्र सोनकर, संदीप सोनकर, विशाल सोनकर, किशन यादव, रजत गोस्वामी, राममूरत, आलोक मौर्य, सूरज, आकाश मोदनवाल, शिवम सिंह, हर्ष यादव, विवेक राजपूत, प्रियांशु आदि मौजूद थे।

पंद्रह बीघा में बसाई जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को जेडीए ने किया ध्वस्त

जयपुर (हिंस)। शहर में भूमाफियाओं के खिलाफ लगातार जयपुर विकास प्राधिकरण का बुलडोजर गरज रहा है। शनिवार को जेडीए दस्ते ने 15 बीघा में बसाई जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया। इसके अलावा ढाई बीघा सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया। प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा जोन-11 में स्थित ग्राम पवालिया में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर, ग्राम पवालिया से नेवटा रोड पर करीब 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर और ग्राम पवालिया कपूरवाला के पास में करीब 3 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई गई मिट्टी ग्रेवल सड़कें सहित अन्य अवैध निर्माण को हटाया गया। इसके अलावा ग्राम अजयराजपुरा सरकारी स्कूल के पास खसरा नंबर 453 2.5 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर तारबंदी कर अवैध रूप से उगाही गई फसल को हटाकर भूमि को मुक्त करवाया गया।

जयपुर की पचास संस्थाएं हर घर तिरंगा अभियान में जुटी

जयपुर (हिंस)। हर घर तिरंगा अभियान में जयपुर के हर घर में संपर्क किया जाएगा। ये निर्णय शनिवार संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित तिरंगा गोष्ठी में हुआ। इस अवसर पर 50 से अधिक सामाजिक, नागरिक संस्थाओं ने निर्णय लिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशभर में चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान में घर घर जाकर आमजन को इस अभियान की जानकारी दी जाएगी तथा 13 अगस्त से 15 अगस्त तक घरों और दफ्तरों पर तिरंगा फहराने और सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी में अपनी फोटो के साथ तिरंगे की फोटो लगाने की अपील की जाएगी। इस अवसर पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नेता एवं संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हम सबको हर घर तिरंगा पहुंचाना है और आमजन से अपील करनी है कि घर-घर तिरंगा लगाया जाए। साथ ही सभी गैर सरकारी कार्यालयों में भी तिरंगा झंडा लगाकर देश के प्रति अपनी भावना प्रदर्शित करने का दिन है। मिश्रा ने इस अवसर पर कहा है कि देश की आजादी के लिए लाखो लोगों ने अपनी कुर्बानी दी, उनको नमन कर हम सबका दायित्व बनता है कि तिरंगे के स्वाभिमान को बढ़ाया जाए। अभियान के तहत संस्थाओं के पदाधिकारी घर-घर जाएगें। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचार प्रसार किया जाएगा।

देश की एकता और अखंडता के लिए हृदय में क्रांति की ज्वाला जलाए रखना होगा : गणेश

प्रयागराज (हिंस)। हमें अपने देश के महान क्रांतिकारी और महान महापुरुषों के आदर्श को बनाए रखना होगा और उनके सपनों का भारत बनाने के लिए देश के अंदर बैठे गद्दारों से लड़ना होगा। देश की एकता और अखंडता के लिए विकसित भारत निर्माण के लिए महान क्रांतिकारियों के द्वारा हमें विरासत में मिली धधकती हुई क्रांति की ज्वाला अपने हृदय में जलाए रखना होगा। देश के दुश्मन और गद्दारों को हर घर में तिरंगा लहरा कर उनको जवाब देना है। यह बातें मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने काकोरी ट्रेन एक्शन के सभी क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगोष्ठी में कहा। शनिवार को अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप द्वारा श्रद्धांजलि ग्रुप के अध्यक्ष राजेश केसरवानी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामचंद्र वैश्य पार्क रामभवन में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी स्मृति व्याख्यान माला एवं काकोरी एक्शन के क्रांतिकारियों की स्मृति में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। महापौर ने कहा कि देश के महान क्रांतिकारियों ने अपने

प्राणों की बाजी लगाकर भारत माता के लिए ब्रिटिश सरकार के खिलाफ संघर्ष करते रहे, पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। यह चंद्रशेखर आजाद की धरती है। जिन्होंने कहा था दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे। आजाद हैं, आजाद थे, आजाद रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम मुगलों के कालखंड में भी संघर्ष करते रहे हम हार मानने वालों में से नहीं हैं। हमारा इतिहास जीतने का, संघर्ष करने का रहा है। विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, व्यापारी नेता सतीश चंद्र केसरवानी, पूर्व पार्षद विजय वैश्य, प्रदेश अध्यक्ष जनहित कारिणी सुशील जैन ने काकोरी एक्शन के शहीदों को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश केसरवानी ने किया। संगोष्ठी के उपरांत काकोरी एक्शन की क्रांतिकारी के स्मृति में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसके मुख्य संयोजक शत्रुघ्न जायसवाल, अभिलाष केसरवानी, अजय अग्रहरि, पद्माकर श्रीवास्तव रहे। संचालन मनोज मिश्रा ने किया। इस अवसर पर राजेश शर्मा, पद्माकर श्रीवास्तव, प्रमोद मोदी, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, नीरज केसरवानी, कमलेश केशरवानी, सचिन गुप्ता, दीपक केसरवानी, दिनेश विश्वकर्मा, शिवमोहन गुप्ता आदि ने काकोरी एक्शन के क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी याद में निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाग लिया और अपने घरों में तिरंगा लगाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने दिखाया वन्य जीव प्रेम, मोर को दिया आहार

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी वन्य जीव प्रेमी है। जयपुर निवास पर शनिवार सवेरे एक मोर को आहार प्रदान कर मुख्यमंत्री ने कुछ ऐसा ही संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर यह जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज प्रात:काल की बेला में मुख्यमंत्री आवास पर भगवान कार्तिकेय के वाहन, पक्षियों के राजा राष्ट्रीय पक्षी मोर को आहार प्रदान किया। ईश्वर द्वारा सृजित, भगवान श्रीकृष्ण की परछाई के रूप में विख्यात राष्ट्रीय पक्षी मोर सौंदर्य, प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक हैं। इनकी सेवा स्वयं में आराधना है, जो दैवीय कृपा से कम नहीं है। मुख्यमंत्री सवेरे जब अपने निवास के बगीचे में ताजा हवा ग्रहण कर रहे थे, तभी एक मोर उनकी टेबल पर आ गया। मुख्यमंत्री ने उसे आहार प्रदान किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांवरियों के बीच बांटे फल

भागलपुर (हिंस)। जिले के सुलतानगंज स्थित अजगैबीनाथ धाम शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सह बांका लोकसभा के प्रत्याशी जयप्रकाश नारायण यादव पहुंचे जहां राजद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव ने राजद कार्यकर्ताओं के साथ कृष्णगढ़ मोड़ के पास सैकड़ों कांवरियों के बीच फल वितरण किया। जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि सुलतानगंज के अजगैबीनाथ धाम में देश विदेश से आनेवाले कांवरिया पाव पैदल यात्रा कर देवघर तक जाते हैं। सभी कांवरियों का राजद परिवार 25 वर्षों से सेवा करते आ रहे हैं। श्रावणी मेला के राष्ट्रीय मेला के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम लोग वर्षों से यह मांग कर रहे हैं लेकिन

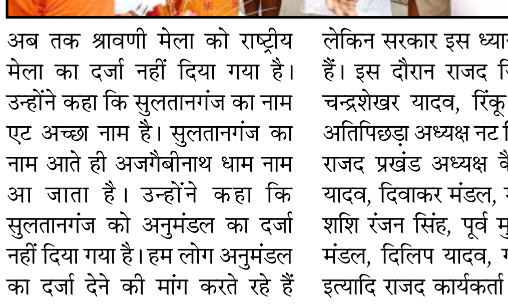

अब तक श्रावणी मेला को राष्ट्रीय मेला का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुलतानगंज का नाम एट अच्छा नाम है। सुलतानगंज का नाम आते ही अजगैबीनाथ धाम नाम आ जाता है। उन्होंने कहा कि सुलतानगंज को अनुमंडल का दर्जा नहीं दिया गया है। हम लोग अनुमंडल का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं लेकिन सरकार इस ध्यान नही दे रहीं हैं। इस दौरान राजद जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर यादव, रिंकू राज, जिला अतिपिछड़ा अध्यक्ष नट बिहारी मंडल, राजद प्रखंड अध्यक्ष कैलाश प्रसाद यादव, दिवाकर मंडल, मंजर आलम, शशि रंजन सिंह, पूर्व मुखिया संतोष मंडल, दिलिप यादव, गोपाल कुमार इत्यादि राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने किया जिला स्तरीय आक्रोश प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने शनिवार को कैथल में जिला स्तरीय रोष प्रदर्शन किया। लघु सचिवालय से लेकर शहीदी स्मारक किए गए प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान सुरेंद्र माजरा ने की। प्रदर्शन में समिति के राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल ने प्रदर्शन में विशेष तौर पर हिस्सा लिया। विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार पेंशन को बहाल नहीं कर रही है। जिससे कर्मचारियों कर्मचारियों में गहरा रोष व्याप्त है। सुरेंद्र माजरा ने बताया कि 2006 से कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बंद करके बाजार आधारित नई पेंशन स्कीम को लागू किया है। जिससे कर्मचारी बाजार के अधीन हो गया है और रिटायरमेंट पर मात्र 1200 से 1800 तक पेंशन मिल रही है। जिससे बुढ़ापे में कर्मचारी को दर दर ठोकर खाने को मजबूर किया जा रहा है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के वक्ताओं ने बताया कि पश्चिम बंगाल में आज तक पुरानी पेंशन लागू है और बहुत से कांग्रेस शासित प्रदेशों में पुराने पेंशन लागू हो चुकी है, लेकिन बीजेपी सरकार द्वारा शासित केंद्र में और भाजपा शासित प्रदेशों में पुरानी पेंशन लागू नहीं है और बीजेपी सरकार इसे मुफ्त की रेवड़ी कहकर कर्मचारियों का अपमान कर रही है। जो कि आने वाले चुनाव में इस सरकार के लिए बहुत मुश्किल पैदा करेगा। एक एमएलए मंत्री चार-चार पेंशन ले रहे हैं, जबकि कर्मचारियों को एक पेंशन भी देने से सरकार मना कर रही है। एक एक देश दो विधान नहीं चलेंगे। अब कर्मचारी सभी विभागों और संगठनों पदों की दूरी एवं भुलाकर एकत्रित हो चुके हैं। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि समय रहते पेंशन बहाल नही की तो सभी कर्मचारी परिवार एक सितम्बर 2024 को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे और यदि फिर भी सरकार नहीं जागी तो वोट फॉर ओल्ड पेंशन की मुहिम पूरे प्रदेश में चलाई जाएगी।

गुरुनानक खालसा कालेज के दो छात्रों का अखिल भारतीय थल सैनिक कैंप में हुआ चयन

यमुनानगर (हिंस)। गुरु नानक खालसा कॉलेज के दो एनसीसी कैडेटों को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर में भाग लेने के लिए चुना गया है। हरियाणा और पंजाब राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए, इन कैडेटों ने इस सम्मानित शिविर के लिए चुने जाने के लिए असाधारण कौशल और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। शनिवार को कालेज प्राचार्य डॉक्टर एचएस कंग ने बताया कि कैडेट प्रियांशु को निदेशालय की मैप रीडिंग टीम में चुना गया और उन्होंने अंबाला समूह ने आईजीसी में दूसरा स्थान प्राप्त किया और निदेशालय टीम के कप्तान के रूप में चुना गया। जबकि कैडेट शैंकी पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ निदेशालय की शूटिंग टीम में

चयनित किया। उन्हें निदेशालय की शूटिंग टीम के कैडेट सीनियर के रूप में भी चुना गया है और अंतर समूह शूटिंग प्रतियोगिता में एसआरएम विश्वविद्यालय में रनर अप ट्रॉफी जीती है। उन्होंने कैडेटों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, हमें अखिल भारतीय थल सैनिक कैंप के लिए अपने कैडेटों के चयन पर बेहद गर्व है। एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जरनैल सिंह और प्रशासनिक अधिकारी कर्नल जितेंद्र सिंह दहिया ने कैडेटों को बधाई दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि अखिल भारतीय थल सैनिक कैंप के लिए हमारे कैडेटों का चयन उनके अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है। सूबेदार मेजर शाहनाज हुसैन ने कहा कि हमारे कैडेटों ने इस स्तर तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है, और उनका चयन उनकी कड़ी मेहनत की एक अच्छी मान्यता है। डॉ. जोश प्रीत सिंह और रविता सैनी ने कैडेटों की उपलब्धि पर उत्साह व्यक्त किया और कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए उनका चयन हमारे कॉलेज के लिए गर्व का क्षण है। प्रबंध समिति के अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर ने कहा कि अखिल भारतीय थालसैनिक शिविर के लिए हमारे कैडेटों का चयन गुरु नानक खालसा कॉलेज के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

दवा व्यवसाई के हत्यारे की 36 घंटे में नहीं हुई गिरफ्तारी तो होगा आंदोलन : अमर कुशवाहा

भागलपुर (हिंस)। लोजपा रामविलास पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता कर बिहार सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अमर सिंह कुशवाहा ने कहा कि दवा व्यवसाई रौनक केडिया की हत्या यह साबित करता है कि भागलपुर का जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से नाकाम है। हम मुख्यमंत्री से भी मांग करते हैं कि ऐसे जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। इस हत्या के 72 घंटे बाद भी अभी तक पुलिस ने अपराधियों को नहीं पकड़ा है। यह साफ दर्शाता है कि यहां की पुलिस नाकाम है। उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी के तरफ से जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को 36 घंटे का और अल्टीमेटम दिया जाता है। यदि 36 घंटे में अपराधियों की गिरफ्तारी

पुलिस नहीं करती है तो हम सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय हो कि भागलपुर के प्रसिद्ध दवा कारोबारी बलराम केडिया के पुत्र रौनक केडिया की हत्या अपराधियों ने बीते बुधवार देर रात गोली मारकर कर दिया था। इस हत्या के खिलाफ व्यावसायिक संगठनों के साथ साथ राजनीतिक संगठनों में भी रोष देखा जा रहा है।

बीएसएफ के राजस्थान फ्रंटियर आइजी ने लिया सीमा चौकी का जायजा

बीकानेर (हिंस)। महानिरीक्षक राजस्थान फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बल एम एल गर्ग ने अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान बीकानेर से सटी सीमा सुरक्षा बल की चौकियों का सुरक्षा जायजा लिया। अपने इस दौरे में उन्होंने क्षेत्रीय मुख्यालय बीकानेर के अधीन आने वाली बटालियनों की सभी सीमा चौकियों का भ्रमण किया। इस दौरान 124 बटालियन की ऐतिहासिक सीमा चौकी सांचू में सीमा दर्शन करने के लिए आने वाले पर्यटकों के लिए भारत विकास परिषद विवेकानंद सेवा ट्रस्ट लुधियाना के सौजन्य से बने रैन शेल्टर्स का उदघाटन किया। सीमा चौकी सांचू सामरिक दृष्टि से एक ऐतिहासिक चौकी है जहां पर बीकानेर एवम आस पास के पर्यटक सीमा दर्शन करने के लिए आते है। इस दौरान आने वाले दर्शकों को सीमा सुरक्षा बल का योगदान एवम उसकी महत्ता के बारे में अवगत कराया।

आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक में वित्त मंत्री, बोलीं– बैंकिंग कानून में बदलाव जरूरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकों को जमा राशि जुटाने और ऋण देने के अपने मूल कारोबार पर वापस लौटना होगा। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपने डिपॉजिट को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। बैंकों का सबसे अहम काम है डिपॉजिट लेना और फिर लोगों को लोन देना।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल के साथ नई दिल्ली में परंपरागत बैठक के बाद आयोजित एक साझा प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, 'हम बैंकिंग विनियमन संशोधन ला रहे हैं। इस संशोधन अधिनियम लाने की कई वजह हैं। यह कुछ समय से लंबित था, इसका लंबे समय से इंतजार था। निदेशक मंडल की बैठक में वित्त मंत्री सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे।

वित मंत्री सीतारमण ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में कुछ पुनर्गठन भी किए गए हैं, नामांकन उन चीजों में से एक है जो ग्राहक-अनुकूल कदम है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ग्राहकों के लिए यह विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि बाद में नामांकित व्यक्ति को अपनी

सही चीज का दावा करने में कोई कठिनाई न हो...।

इस दौरान सीतारमण ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपने कोर पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बैंकों को अपने डिपॉजिट को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। अभी बैंकों का डिपॉजिट धीरे चल रहा है। बैंकों को कुछ इनोवेटिव और आकर्षक पोर्टफोलियो लाने के बारे में विचार करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग बैंकों में पैसे जमा करें। उन्होंने कहा कि लोगों को अभी अधिक रिटर्न पाने के लिए कई रास्ते दिख रहे हैं, जिनमें से एक शेयर बाजार भी है। यही वजह है कि शेयर बाजार में खुदरा निवेश काफी बढ़ा है। लोग बैंकों में पैसे जमा करें, इसके लिए बैंकों को कुछ नया करने की जरूरत है।

ब्याज दरें तय करने के लिए बैंकों को खुली छूट : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि ब्याज दरों पर फैसला के लिए बैंक स्वतंत्र हैं। बैंक में जमा राशि और कर्ज पर ब्याज दरें नियंत्रण मुक्त कर दी गई हैं। वे अपनी ब्याज दरें तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस लिहाज से उन्हें ऐसे उत्पाद को लाने पर जोर देना चाहिए, जिससे जमा राशि को बढ़ाया जा सके। आरबीआई गवर्नर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल की 609वीं बैठक के बाद यहां आयोजित एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। दास ने कहा कि बैंकों में नॉमिनी बढ़ाने का मसला लंबे समय से लंबित था। लेकिन, केंद्र सरकार अब बैंकिंग कानून संशोधन बिल 2024 संसद में पेश कर बैंक अकाउंट और लॉकर में चार नॉमिनी के नाम जोड़ने की व्यवस्था की है। सरकार के इस फैसले से बैंकों में पड़ा करीब 78 हजार करोड़ रुपये का अनक्लेम्ड डिपॉजिट लोगों को वापस किया जा सकेगा। इसके साथ ही अब लॉकर को एक्सेस करने के लिए 4 लोगों को नॉमिनेट किया जा सकेगा। शक्तिकांत दास ने कहा कि पिछले साल हमने एक विशेष अभियान शुरू किया था। इसके तहत हमने प्रत्येक बैंक को सलाह दी थी कि हर शाखा को उनके पास मौजूद दावा न किए गए जमा की गई राशियों की संख्या के आधार पर सक्रिय रूप से अपने स्तर पर आगे बढ़ना चाहिए। इस मामले में प्रगति संतोषजनक रही है। बैंक ब्याज दरों की अस्थिरता के सवाल पर दास ने कहा कि बैंक अपनी जमा दरें तय करते हैं। वे अपनी ब्याज दरें भी तय करते हैं। यह स्थिति बैंक दर बैंक अलग-अलग हो सकती है। लेकिन मुझे लगता है कि हमारी वास्तविक ब्याज दरें बहुत अस्थिर नहीं रही हैं। वे बहुत हद तक स्थिर हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट पास होने के उपरांत आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल के साथ परंपरागत तौर पर बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल के सभी वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

हिंडनबर्ग ने फिर किया एक ट्वीट, भारत में मची खलबली

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को फिर एक ट्वीट कर दिया है, जिससे भारत में खलबली मच गई है। इस पोस्ट में भारत पर एक नई रिपोर्ट की संभावना का संकेत दिया है। बता दें कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिससे कंपनी के शेयर की कीमत में भारी गिरावट आई. उस समय समूह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में समूह द्वारा शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। यह मामला शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के आरोपों से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि अडानी ने अपने शेयरों की कीमतें बढ़ा दी हैं। इन आरोपों के प्रकाशित होने के बाद अडानी समूह की विभिन्न कंपनियों के शेयरों में तेजी से गिरावट आई, जो 100 बिलियन डॉलर से अधिक की थी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा जारी 2.5 बिलियन डॉलर के फॉलो-अप पब्लिक ऑफरिंग से दो दिन पहले प्रकाशित हुई थी। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगे सभी आरोपों का बार-बार खंडन किया है।

बीएसएनएल 4जी, 5जी के लिए ओटीए और यूएसआईएम मंच पेश करेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) 4जी और 5जी नेटवर्क को बेहतर करने के लिए ओवर-द-एयर (ओटीए) और यूनिवर्सल सिम (यूएसआईएम) मंच की शुरुआत करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ भौगोलिक प्रतिबंधों के बिना सिम बदल सकेंगे। ओटीए उपकरण को परीक्षण उपकरण से जोड़ने की विधि है। बीएसएनएल ने कहा कि पायरो होल्डिंग्स के सहयोग से विकसित इस मंच का उद्घाटन चंडीगढ़ में किया गया। इसमें त्रिची में आपदा रिकवरी साइट भी शामिल है। बीएसएनएल ने कहा कि नया 4जी और 5जी उपयुक्त मंच देश भर के सभी बीएसएनएल ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और सेवा गुणवत्ता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी पूरे देश में धीरे-धीरे 4जी नेटवर्क शुरू कर रही है। बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल 4जी और 5जी के लिए नेटवर्क को बेहतर कर रही है। ऐसे में इस मंच की शुरुआत इस कदम के अनुकूल है। यह डिजिटल अंतर को पाटने और ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त बनाने तथा अत्याधुनिक दूरसंचार सेवाओं तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बीएसएनएल के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चालू वित्त वर्ष में दालों का घट सकता है आयात, दालों की खुदरा कीमतें भी कम होने की संभावना

मुंबई। देश का दालों का आयात पिछले वर्ष के 47.38 लाख टन से कम होकर चालू वित्त वर्ष में 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। ऐसा इंडस्ट्री बॉडी इंडिया पल्सेस एंड ग्रेन्स एसोसिएशन (आईपीजीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है। उन्होंने इस साल मॉनसून की अच्छी स्थिति के चलते घरेलू उत्पादन में वृद्धि और खुदरा कीमतों में कमी की संभावना जताई है। आईपीजीए ने सरकार से मांग की है कि दाल बाजार के लिए दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, ताकि बार-बार बदलाव से अंशधारकों के हितों को नुकसान न हो। इसके अलावा संस्था ने पीली मटर पर आयात शुल्क लगाने की भी सिफारिश की है। अधिकारी ने भारत दलहन सेमिनार 2024 में संवाददाताओं से कहा कि इस वित्त वर्ष में दालों के आयात की मात्रा 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। फसल वर्ष 2024-25 में दालों के उत्पादन में सुधार और पिछले वित्त वर्ष में अधिक आयात के कारण आयात में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 16 लाख टन मसूर दाल का आयात किया था, जबकि 10 लाख टन की जरूरत थी। पीली मटर का आयात भी 2023-24 के स्तर से कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस साल मॉनसून की बारिश बेहतर रही है और खरीफ सत्र में दालों की फसल का रकबा बढ़ा है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में अराजकता व हिंसक माहौल के बीच भारतीय उद्योगपतियों लगा बड़ा झटका

गुजरात के मसाला व कपड़ा उद्योग को हजारों करोड़ का नुकसान

सूरत।

बांग्लादेश में अराजकता व हिंसक माहौल के बीच गुजरात के लिए व्यापार-उद्योग को हजारों करोड़ रुपये के नुकसान होने की आशंका है। खासकर गुजरात के मसाला और टेक्सटाइल उद्योग को बड़ा झटका लगा है। गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में मसाला बांग्लादेश निर्यात किया जाता है। वहीं, सूरत से तैयार फैब्रिक्स भी बड़ी मात्रा में कोलकाता व मुंबई होते हुए बांग्लादेश जाता है, जहां इसका इस्तेमाल वहां के गार्मेंट इंडस्ट्रीज में किया जाता है।

जानकारी के अनुसार भारत और बांग्लादेश के बीच 16 बिलियन डालर का व्यापार होता है। इसमें 13-14 बिलियन डालर के विभिन्न वस्तुओं का निर्यात भारत से बांग्लादेश किया जाता है। जबकि महज 2 बिलियन डालर की वस्तुओं का बांग्लादेश से भारत आयात किया जाता है। इसमें गुजरात से बड़ी मात्रा में मसाला का निर्यात होता है। वहीं, सूरत से टेक्सटाइल फेब्रिक्स का बांग्लादेश निर्यात किया जाता है। व्यापारिक संगठनों से मिली जानकारी के अनुसार सूरत से करीब 500 करोड़ रुपये के कपड़े के कारोबार और गुजरात के विभिन्न जिलों से करीब 3000 करोड़ रुपये के मसाला व्यापार पर इसका असर होगा। बांग्लादेश में यही हालात लंबे समय तक बने रहे तो सूरत टेक्सटाइल इंडस्ट्री को इसका लाभ भी हो सकता है।

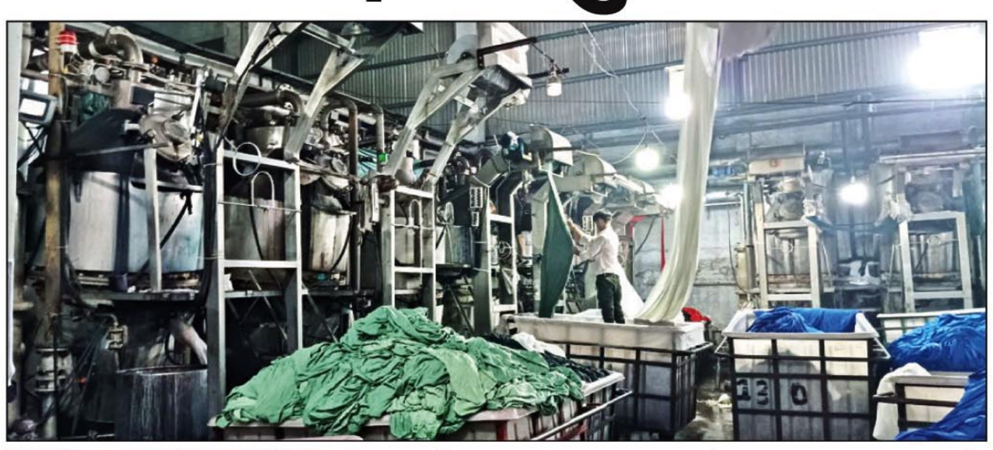

गुजरात से 3 हजार करोड़ का जीरा, तिल और इसबगोल का निर्यात– भारतीय मिर्च-मसाला का वैश्विक बाजार में खूब मांग है। भारतीय मिर्च के आयात में बांग्लादेश विश्व के

देशों में चौथे क्रम में है। चीन, मलेशिया और थाईलैंड में भारतीय मिर्च की सर्वाधिक मांग होती है। देश से हर साल 9 हजार करोड़ रुपये के मिर्च-मसाला का निर्यात बांग्लादेश को किया जाता है। इन मसालों में मिर्च, हल्दी, जीरा, तिल, इसबगोल शामिल है। मुख्यरूप से मिर्च आंध्रप्रदेश और तेलंगाना से बांग्लादेश भेजा जाता है, जबकि जीरा, तिल और इसबगोल का सर्वाधिक उत्पादन गुजरात में होता है, जिससे गुजरात से हर साल 2500 से 3000 करोड़ रुपये का जीरा, तिल और इसबगोल बांग्लादेश निर्यात किया जाता है।

अहमदाबाद में भारतीय मसाला निर्यात फेडरेशन के सचिव हिरेन गांधी ने बताया कि हर साल भारत का बांग्लादेश के साथ मसाले का कारोबार करीब 9000 करोड़ रुपये का होता है। पिछले कुछ दिनों से निर्यात में काफी गिरावट आई है। 150 से अधिक ट्रक बांग्लादेश के बाहर ही रोक दिए गए हैं। कई दिनों से महाराष्ट्र का सेंट्रल बैंक भी बंद है, इससे ट्रांजेक्शन क्लियरेंस भी नहीं हो रहा है। हाल में सभी आयात-निर्यात बंद हो गया है।

सूरत के व्यापारियों के पेमेंट अटकने की आशंका– दूसरी ओर सूरत के कपड़ा उद्योग को बांग्लादेश की परिस्थिति के कारण बड़ा नुकसान हुआ है। व्यापारियों के भेजे कपड़ों के पेमेंट अटकने की आशंका है। व्यापारियों का मानना है कि सूरत के कपड़ा व्यापार को करीब 500 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार बांग्लादेश में जो गार्मेंट तैयार होता है, वह दो प्रकार का है। यहां सर्वाधिक कॉटन बेस और इसके बाद सिंथेटिक फेब्रिक का उपयोग किया जाता है। विश्व में चीन के बाद सबसे अधिक फैब्रिक सूरत में तैयार होता है। रेडिमेड गार्मेंट में सर्वाधिक सिंथेटिक कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। बांग्लादेश में सिंथेटिक फेब्रिक सूरत से बड़े पैमाने पर एक्सपोर्ट होता है जो कि वाया दिल्ली होते हुए बांग्लादेश पहुंचता है।

फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने कहा कि बांग्लादेश की आपदा से टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। हालांकि दूरगामी असर में बांग्लादेश का गार्मेंट इंडस्ट्री वहां से डायवर्ट हो सकता है, जिसका फायदा सूरत उठा सकता है।

मुरादाबाद से लखनऊ के लिए हवाई सेवा शुरू, 19 सीटर विमान ने भरी उड़ान

मुरादाबाद।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से हवाई उड़ान का सपना शनिवार को पूरा हो गया। विमान सेवा प्रदाता कंपनी फ्लाई बिग के 19 सीटर विमान ने मुरादाबाद के भदासना हवाई अड्डे से लखनऊ के लिए पहली उड़ान भरी। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने भदासना हवाई अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम में विमान क हरी झंडी दिखाई।

इस अवसर पर धर्मपाल सिंह ने कहा कि जिले से हवाई सेवा की शुरुआत विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मुरादाबाद मंडल का कारोबार विश्व पटल पर और अधिक बढ़ेगा। साथ ही पीतल की चमक अब सोने जैसी दिखेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुरक्षित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने विमान सेवा की शुरुआत के अवसर पर आने जाने वाले यात्रियों को उन्होंने शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मौजूद राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि हवाई सेवा की शुरुआत से पूरे मुरादाबाद मंडल के सभी जिलों के लोगों को सहूलियत होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी एवं जनहितकारी सोच, सबका साथ, सबका विकास के संकल्प की प्रतिबद्धता है। आने वाले दिनों में जिले से और शहरों के लिए हवाई सेवा की शुरुआत होगी।

हवाई अड्डा प्राधिकरण के निदेशक अमरजीत सिंह ने बताया कि जल्द ही मुरादाबाद से देहरादून और हिंडन के लिए विमान सेवा की शुरुआत होगी। इससे मंडल के लोगों को और सुविधाजनक सफर करने का अवसर मिलेगा। फ्लाई बिग के क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव कुमार ने बताया कि सप्ताह में तीन दिन मुरादाबाद से लखनऊ की फ्लाइट मिलेगी। बेस फेयर 999 रुपये रखा गया है। जीएसटी आदि मिलाकर कुल किराया 1348 रुपये है। आनलाइन के अलावा लोग एयरपोर्ट पर आकर भी बुकिंग करा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि विगत 10 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने मुरादाबाद हवाई अड्डे के साथ प्रदेश के पांच एयरपोर्ट का वर्चुअल शुभारंभ किया था। इसमें मुरादाबाद के अलावा आजमगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट और श्रावस्ती हवाई अड्डे शामिले थे। मुरादाबाद को छोड़कर अन्य जगहों से विमान सेवा की पहले ही शुरुआत हो चुकी है, लेकिन मुरादाबाद में फ्यूल स्टेशन के कारण पेंच अटक गया था। वर्ष 2014 में मुरादाबाद में हवाई अड्डे का निर्माण शुरू हो गया था। यहां के बाशिंदे बीते 10 वर्षों से यहां से हवाई यात्रा का इंतजार कर रहे थे।

हिमाचल की मंडियों में पहुंची सेब की 7.75 लाख से ज्यादा पेटियां

शिमला।

हिमाचल प्रदेश के सेब ने बाजार में इस बार धूम मचाई है। हिमाचल ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी प्रदेश का सेब पहुंचना शुरू हो चुका है। अभी सेब सीजन की शुरुआत में अच्छा भाव मिल रहा है। प्रदेश के कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों का सेब बाजार में आ रहा है। अभी तक बाजार में 7 लाख 75 हजार 884 पेटियां पहुंच चुकी हैं। मंडी समितियों के अनुसार पूरा सेब यूनिवर्सल कॉर्टन में जा रहा है और अहम बात है कि 20 किलो की पैकिंग में ही सेब भेजा गया है। बाहरी राज्यों की मंडियों में अब तक प्रदेश से 2 लाख 98 हजार 207 सेब पेटी जा चुकी है। प्रदेश से बाहर की मंडियों में गए इस सेब को वहां अच्छा भाव मिल रहा है। बताया जाता है कि दिल्ली में भी रॉयल सेब चार हजार रुपए से ऊपर के दाम में बिकी है। हिमाचल की मंडियों में सेब को इससे भी अधिक भाव मिल रहा है। यहां पर अधिकतम भाव 4700 रुपए प्रति पेटी तक जा चुका है। हिमाचल प्रदेश की मंडियों में 4 लाख 77 हजार 677 पेटियां अब तक पहुंच चुकी हैं। भट्टाकुफर मंडी में अब तक 1 लाख 66 हजार 489 सेब पेटियां पहुंची। पराला मंडी में 2 लाख 56 हजार 220 पेटियां पहुंच चुकी हैं। नेरवा में 9799 बॉक्स पहुंचे हैं, तो मेंहदली मंडी में 45 हजार 169 पेटियां पहुंची हैं। आंकड़ों के मुताबिक एचपीएमसी ने अब तक 600 टन सेब की खरीद कर दी है और एचपीएमसी के 97 सेंटर में सेब की कलेक्शन का दौर शुरू हो गया है।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में शनिवार को तेजी का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में करीब 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण शनिवार को देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 70 हजार रुपये के स्तर को पार करके 70,250 रुपये से लेकर 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 64 हजार रुपये का स्तर पार करके 64,440 रुपये से लेकर 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी करीब 1,700 रुपये तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 83,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना शनिवार को 70,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 70,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 70,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,150 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है जबकि 22 कैरेट सोना 64,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उतार–चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने की 19 हजार करोड़ से अधिक की बिकवाली

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में जियो पोलिटिकल टेंशन, अमेरिका में मंदी की आशंका और भारतीय कंपनियों के मिले-जुले तिमाही परिणामों के कारण पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। इस कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,276.04 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,705.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 350.20 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,367.50 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया।

सेक्टोरल फ्रंट पर भी ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के मेटल और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 5 से लेकर 9 अगस्त के बीच करीब 3 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी के एनर्जी इंडेक्स ने 2.5 प्रतिशत टूट कर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा आईटी इंडेक्स में 1.52 प्रतिशत ताकि गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, निफ्टी के फार्मास्यूटिकल इंडेक्स में 1.50 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जबकि हेल्थ केयर और एफएमसीजी इंडेक्स पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

5 से लेकर 9 अगस्त के बीच हुए कारोबार के दौरान बीएसई के लार्ज कैप इंडेक्स में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल शेयरों में से अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, हिंदुस्तान जिंक, द टाटा पावर कंपनी, बंधन बैंक और श्री सीमेंट्स के शेयर गिरावट का शिकार होकर लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर मैनकाइंड फार्मा, जाइडस लाइफ साइंसेज, एबीबी इंडिया, सिप्ला और यूपीएल के शेयर मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद उच्च स्तर पर बंद हुए।

लार्ज कैप की तरह ही बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में भी पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल शेयरों में से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी और बालकृष्ण इंडस्ट्रीज के शेयर 7 से लेकर 14 प्रतिशत तक टूट गए। दूसरी ओर ल्यूपिन, ऑयल इंडिया, ऐल्केम लेबोरेट्रीज, पीआई इंडस्ट्रीज, कमिंस इंडिया और अजंता फार्मास्यूटिकल्स के शेयर में 5 से 9 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।

बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में पिछले सप्ताह के दौरान सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। 5 से 9 अगस्त के बीच के कारोबार के दौरान बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 2 प्रतिशत तक टूट गया। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस, महानगर टेलीफोन निगम, सांघवी मूवर्स, सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी, न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स, ऑटोमोटिव स्टैम्पिंग्स और लेमन ट्री होटल के शेयरों में 15 से 30 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेंचुरी इंक्स, गरवारे हाईटेक फिल्म्स, सिंफनी, एडलवाइज फाइनेंशियल सर्विसेज, कैफीन टेक्नोलॉजीज, बीएएसएफ इंडिया, ओसवाल ग्रीनटेक और वेंकीज के शेयर 25 से 35 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। अगर मार्केट वैल्यू की बात करें, तो पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) मार्केट कैप में गिरावट के मामले में क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और जेएसडब्ल्यू स्टील मार्केट कैपिटलाइजेशन में बढ़ोतरी के मामले में क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

5 से 9 अगस्त के बीच हुए कारोबार में विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल की भूमिका में नजर आए। इस दौरान एफआईआई द्वारा 19,139.76 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची गई। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने लिवाल की भूमिका निभाते हुए 20,871.10 करोड़ रुपये की इक्विटी की खरीदारी की।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पुरुष हॉकी टीम को किया सम्मानित, दृढ़ता और जज्बे को सराहा

नई दिल्ली।
हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को पेरिस से स्वदेश लौट आई हैं। भारत लौटने पर टीम का भव्य स्वागत किया गया और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने टीम के सदस्यों का सम्मान किया।

भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। पुरुष हॉकी टीम ने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य अपने नाम किया था। मांडविया ने खिलाड़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। मांडविया ने कहा, आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। पूरे देश को आपकी उपलब्धि पर गर्व है। यह जीत आपकी दृढ़ता, टीम वर्क और अदम्य जज्बे का प्रमाण है। आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा एथलीटों को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित किया है।

केंद्रीय मंत्री ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कोचिंग स्टाफ और सहयोगी टीम के अथक प्रयास की भी सराहना की। उन्होंने भारत में हॉकी को और अधिक बढ़ावा देने के साथ देश की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मांडविया ने कहा, हॉकी हमारे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। टीम द्वारा प्रदर्शित कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और जुनून के कारण यह ऐतिहासिक सफलता मिली है। आपने दुनिया को दिखाया है कि संकल्प और बुलंद हौसले से क्या हासिल किया जा सकता है।

खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मांडविया ने उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

न्यूज ब्रीफ

युवा क्रिकेटर जितेश शर्मा की शालका मकेश्वर से सगाई हुई

नई दिल्ली। युवा क्रिकेटर जितेश शर्मा की सगाई हो गयी है। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश आईपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हैं। उनकी सगाई शालका मकेश्वर से हुई है। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी प्रशंसकों को दी। जितेश ने अपनी सगाई की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इस घोषणा के बाद ही उन्हें साथी खिलाड़ियों से बधाई मिलनी शुरु हो गयी है। सूर्यकुमार यादव सहित कई क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर जितेश को उनकी सगाई पर बधाई दी है। सूर्या ने लिखा, बहुत बहुत बधाई भाऊ और वाहिनी दोनों को। वहीं रुतुराज गायकवाड़ ने जितेश का शादीशुदा क्लब में स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी, जबकि शिवम दुबे ने भी नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं भेजीं हैं। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर, मोहसिन खान और पंजाब किंग्स के पूर्व कोच वसीम जाफर सहित कई अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है। सभी ने जितेश और शालका को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं हैं। शालका के पास इंजीनियरिंग की डिग्री है और वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम कर रही हैं। वहीं जितेश शर्मा ने भारतीय टीम की ओर से अबतक नौ टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 147.05 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 100 रन बनाए हैं।

नीरज चोपड़ा को बधाई देते नजर जाये अभिषेक

मुंबई। पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के पदक जीतते ही अभिनेता अभिषेक बच्चन उनसे गले मिले थे। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं। इन तस्वीरों में अभिषेक को दर्शकों के बीच बैठकर ताली बजाते और जीत के बाद नीरज से गले मिलते देखा जा सकता है। अभिषेक भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने यहां पहुंचे थे। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी भारतीय तिरंगे के साथ एक तस्वीर भी साझा की थी। अब इसी इवेंट का एक वीडिया भी वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में अभिषेक को नीरज से मुलाकात करते हुए देखा जा सकता है। अभिषेक इस दौरान रजत जीतने पर नीरज को बधाई देते और उनसे गले मिलते दिख रहे हैं। यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हुआ है। नीरज ने जैवलिन थ्रोल में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अभिषेक भी इस ऐतिहासिक पल में शामिल थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा कर खुशी भी भी जताई। अभिषेक की खेलों में काफी रुचि है और ऐसे में वह कई अहम मुकाबलों के दौरान देखे जाते हैं।

बावुमा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वापसी करते लग अर्धशतक लगाया

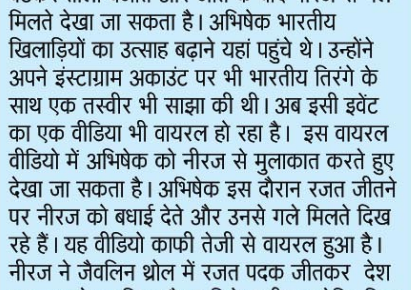

त्रिनिदाद। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ वापसी करते हुए 86 रन बनाये। बावुमा ने 227 दिनों के बाद मैदान पर वापसी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की। अपनी आक्रामक पारी के दौरान उन्होंने 182 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के लगाया। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 47.25 रनों का रहा है। बावुमा के अलावा टोनी डी जॉर्जी ने भी पारी की शुरुआत करते हुए 78 रन बनाये। टोनी ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 2 छक्के लगाए। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली पारी में 344 रन बना पायी। बावुमा को आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद इस टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी एडन मारक्रम को मिली थी। बावुमा दिसंबर 2023 में भारत के खिलाफ हुए मुकाबले में अंतिम बार उतरे थे। इस दौरान वह चोटिल भी हो गये थे।

पेरिस ओलंपिक में भारत को मिला एक और पदक

भारतीय प्लेयर अमन सेहरावत ने कुश्ती में जीता कांस्य पदक

पेरिस।
पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता। अमन ने शुक्रवार देर रात को कांस्य के लिए खेले गए मुकाबले में पुअर्तो रिको के डारियान टोई क्रूज को 13-5 के अंतर से हराया। इससे पहले, 21 वर्षीय पहलवान अमन ने गुरुवार को प्री क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था लेकिन पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के सेमीफाइल में जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा अंदाज में हार गए थे। भारत ने पेरिस ओलंपिक में अबतक पांच कांस्य और एक रजत सहित कुल छह पदक जीते हैं।

पहले राउंड में ही अमन 6-3 से आगे चल रहे थे। दूसरे राउंड अमन ने इस बढ़त को और आगे बढ़ाया और क्रूज को कोई मौका नहीं दिया। इस तरह अमन सहरावत ने जीत हासिल की। अमन पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे। हालांकि, उन्होंने कुश्ती में पदकों के सिलसिले को बरकरार रखा। भारत 2008 बीजिंग ओलंपिक के बाद से हर ओलंपिक में कुश्ती में पदक जीत रहा है। 2008 में सुशील कुमार ने कांस्य, 2012 में सुशील ने रजत और योगेश्वर दत्त ने कांस्य, 2016 में साक्षी मलिक ने कांस्य, 2020 टोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता था। अमन का यह पहला ओलंपिक था और उन्होंने अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीत लिया है। अमन ने इस तरह ओलंपिक में कुश्ती में भारत का पदक का खाता खोला। विनेश फोगाट के अयोग्य करार दिए जाने के बाद निराशा में डूबे भारत को उन्होंने खुशियां दी हैं।

रीतिका हुड्डा क्वार्टर फाइनल में हारीं

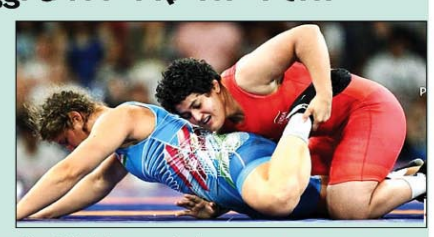

भारतीय महिला पहलवान रीतिका हुड्डा पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 76 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त किर्गिस्तान की एपेरी मेडेट काइजी से हुआ। यह मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा लेकिन आखिरी अंक एपेरी काइजी ने स्कोर किया था। इस कारण उन्हें सेमीफाइनल में जगह मिल गई। अब अगर किर्गिस्तान की पहलवान फाइनल में पहुंचती हैं तो फिर रितिका को रेपचेज खेलने का मौका मिलेगा। इससे पहले रितिका ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में हंगरी की पहलवान बर्नाडिट नागी को 12-2 से पटखनी देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

पीएम मोदी ने अमन को दी जीत की बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलवान अमन सहरावत को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। सहरावत सबसे कम उम्र में पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान हैं। अमन ने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ को 13-5 से हराया। इस मुकाबले में उतरते समय सहरावत की उम्र 21 साल 24 दिन रही। इस प्रकार उन्होंने पीवी सिंधु के 2016 में रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। तब रजत जीतते समय सिंधु की उम्र 21 साल 1 महीने और 14 दिन की थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पोस्ट में अमन की प्रशंसा करते हुए कहा,अधिक गर्व, हमारे पहलवानों को धन्यवाद। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ़्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीतने के लिए अमन सहरावत को बधाई। उनका समर्पण और दृढ़ता स्पष्ट रूप से झलकती है। पूरा देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मना रहा है। पूरा कुश्ती जगत इस जीत का जश्न मना रहा है। विनेश फोगाट को फाइनल से पहले अयोग्य ठहराये जाने के बाद ऐसा लग रहा था कि 2008 के बाद पहली बार भारतीय पहलवान ओलंपिक से खाली हाथ लौटेंगे, तब सहरावत ने कांस्य पदक जीतकर दल का उत्साह बढ़ाया।

आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में विनेश फोगाट पर सुनवाई पूरी फैसला जल्द आने की संभावना

नई दिल्ली।
भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाफ को पेरिस ओलंपिक फाइनल से ठीक पहले वजन अधिक होने के आरोप में अयोग्य करार दिये जाने के मामले में सुनवाई पूरी हो गयी है। इस मामले में अब फैसला जल्द आने की उम्मीद है। विनेश ने इस प्रकार अयोग्य ठहराने जाने के खिलाफ भारतीय ओलंपिक संघ कोर्ट (आईओए) के साथ मिलकर ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (कैस) में अपील की थी। कैस में इस मामले को लेकर 3 घंटे सुनवाई चली। फाइनल से पहले विनेश का वजन उनके 50 किलो वर्ग में 100 ग्राम अधिक पाया गया था। आईओए को उम्मीद है कि इस मामले में फैसला विनेश के पक्ष में आयेगा। आईओए ने अपने एक बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि विनेश की अपील पर कोई अच्छा फैसला आयेगा।' विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं जबकि वह सेमीफाइनल में विनेश से हारी थी।

विनेश ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रुप से रजत पदक दिये जाने की अपील की है। विनेश का कहना है कि मंगलवार को लोपेज के

कोर्ट में 3 घंटे चली सुनवाई

खिलाफ हुए मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित 50 किलो सीमा के अंदर था। विनेश का पक्ष सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और विदुष्पत सिंघानिया ने रखा। आईओए ने कहा, 'मामला विचाराधीन है, इसलिए आईओए अभी इतना ही कह सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई आर्बिट्रेटर डॉक्टर अनाबेल बेनेट एसी एससी ने सभी पक्षों को सुना। इस दौरान विनेश के अलावा यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग, इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी और आईओए ने अपनी ओर से पक्ष रखे। सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई से पहले एफिडेविट जमा करने को कहा गया था। उसके बाद ही बहस हुई। आईओए ने कहा, 'आर्बिट्रेटर बेनेट ने संकेत दिया कि आदेश का कार्यकारी हिस्सा जल्दी ही आएगा। वहीं विस्तृत फैसला बाद में सुनाया जाएगा।' वहीं आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'आईओए मानता है कि विनेश का साथ देना उसका काम है क्योंकि हमें उसकी उपलब्धियों पर गर्व है।'

डूरंड कप : नॉकआउट में जगह बनाने के लिए मुंबई सिटी एफसी से भिड़ेगी पंजाब एफसी की टीम

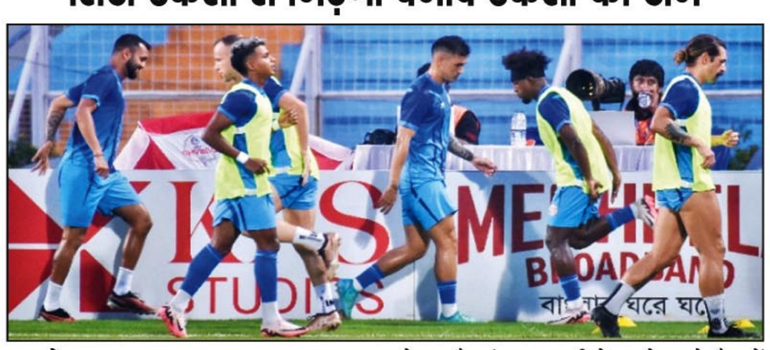

कोलकाता।
पंजाब एफसी की टीम 133वें डूरंड कप में नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदें बरकरार रखने के लिए रविवार को ग्रुप सी के मुकाबले में आईएसएल ट्रॉफी विजेता मुंबई सिटी एफसी का सामना करेगी। यह मैच किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा और शाम 4 बजे शुरू होगा।

पंजाब एफसी के लिए एक जीत उन्हें सात अंकों पर पहुंचा देगी, जो उन्हें नॉकआउट में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त हो सकती है, चाहे वह ग्रुप विजेता के रूप में हो या टूर्नामेंट में दूसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में। केरल ब्लास्टर्स, जो आज सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स इलेवन के खिलाफ खेल रहे हैं, भी सात अंकों के साथ समाप्त करेंगे, लेकिन उनका गोल अंतर बेहतर है। पंजाब एफसी ने अपने पहले मैच में सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स इलेवन को 3-0 से हराया और दूसरे मैच में केरल ब्लास्टर्स के खिलाफ एक रोमांचक 1-1 ड्रॉ खेला। वहीं मुंबई सिटी एफसी को पहले मैच में केरल ब्लास्टर्स ने 8-0 से मात दी थी और दूसरे मैच में उन्हें सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स से 2-0 की हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब एफसी पिछले दो मैचों में आक्रमण में शानदार रहा है, जिसमें लुका माजसेन ने दो मैचों में तीन गोल करके गोल स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। निखिल प्रभु, विनीत राय और क्रोएशियाई फिलिप मर्जलियाक की नई मिडफील्ड तिकड़ी ने मिलकर बेहतरीन खेल दिखाया है और वे मिडफील्ड पर हावी होने की कोशिश करेंगे।

पेरिस ओलंपिक : स्पेन ने फ्रांस को हराकर 32 साल बाद जीता पुरुष फुटबॉल में स्वर्ण पदक

पेरिस।
स्थानापन्न सर्जियो कैमेलो ने अतिरिक्त समय में दो गोल किए, जिससे स्पेन ने शुक्रवार देर रात को फ्रांस के खिलाफ 5-3 से जीत दर्ज करके ओलंपिक पुरुष फुटबॉल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। पार्क डेस प्रिंसेस में रोमांचक जीत ने स्पेनिश फुटबॉल के लिए एक स्वर्णिम ग्रीष्मकाल पूरा किया - पिछले महीने सीनियर टीम की यूरोपीय चैम्पियनशिप जीत के बाद।

स्पेन, जो तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में ब्राजील से फाइनल हार गया था, 1992 में बार्सिलोना खेलों में टूर्नामेंट जीतने के बाद से पुरुष फुटबॉल में पहला यूरोपीय स्वर्ण पदक विजेता बन गया। फ्रांस ने 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और खेल को अतिरिक्त समय में भेज दिया जब जीन-फिलिप माटेता ने तीसरे मिनट में पेनल्टी स्पॉट से बराबरी का गोल किया। लेकिन स्थानापन्न कैमेलो ने 100वें मिनट में फ्रांस के गोलकीपर गिलौम रेस्टेस को छकाते हुए पहले मिनट में ही अपना दूसरा गोल कर लिया।

स्पेन की जीत फर्मिन लोपेज़ और एलेक्स बेना के लिए व्यक्तिगत दोहरी उपलब्धि थी, जो दोनों यूरो 2024 जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। बार्सिलोना के स्टार लोपेज़ ने दो गोल किए और बेना ने पहले हाफ में 10 मिनट के तेज खेल में स्पेन के लिए दूसरा गोल किया, जिससे एन्जो मिलोट द्वारा फ्रांस के लिए पहला गोल करने के बाद मध्यांतर तक स्पेन 3-1 से आगे हो गया। लेकिन खेल का रुख उस समय बदल गया जब फ्रांस ने मैगनेस अक्लिओचे और जीन-फिलिप माटेता के माध्यम से वापसी की, जिन्होंने अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल दिया और खेल को अतिरिक्त समय में ले गया।

नाटकीय चरमोत्कर्ष ने घरेलू प्रशंसकों को पागल कर दिया और वे एलेज़ लेस ब्लूज़ के नारे लगाने लगे तथा अपनी टीम को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने लगे।

और जबकि कैमेलो के गोलों ने अंतत: लॉस एंजिल्स 1984 के बाद से पहली बार स्वर्ण जीतने की फ्रांस की उम्मीदों को समाप्त कर दिया, भीड़ जोर से जयकार करती रही क्योंकि कोच थिएरी हेनरी और उनके खिलाड़ियों ने अंतिम सीटी बजने के बाद सम्मान के साथ अपनी सराहना व्यक्त की। हेनरी ने कहा, यह एक पागलपन भरा फाइनल था, अंत में हमें पदक मिला। दुर्भाग्य से, हम ओलंपिक चैंपियन नहीं हैं, लेकिन आप इस टीम से कुछ भी नहीं छीन सकते। कैमेलो ने अपने हाफ से भागकर रेस्टेस को पीछे छोड़ते हुए दूसरा गोल किया, जिससे स्पेनिश खिलाड़ी में उन्मादपूर्ण जश्न मनाया गया। फॉरवर्ड ने अपनी शर्ट फाड़ दी और टीम के साथी तथा स्थानापन्न खिलाड़ी उसके पीछे पड़ गए, जो टचलाइन से मैदान पर आ गए। वह 83वें मिनट में केवल स्थानापन्न के रूप में आये थे, जब स्पेन ने नियमित अंतराल में अपनी बढ़त को बचाने का प्रयास किया - लेकिन अंतत: राष्ट्रीय नायक बन गये। स्पेन की जीत ने ओलंपिक के पिछले पांच संस्करणों से लैटिन अमेरिकी देशों के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। उस समय ब्राज़ील और अर्जेंटीना ने दो बार जीत हासिल की, जबकि मेक्सिको ने भी स्वर्ण पदक जीता।

पेरिस ओलंपिकः मुक्केबाजी के अंतिम दिन उज्बेकिस्तान ने जीते दो स्वर्ण

पेरिस।
रोलांड गैरोस में मुक्केबाजी के अंतिम दिन शुक्रवार देर रात चार स्वर्ण पदक दिए गए, जिसमें चीन की वू यू, अल्जीरिया की इमान खलीफ और उज्बेकिस्तान की जोड़ी असदखुजा मुयदिनखुजाएव और लाजीजबेक मुलोजोनोव ने स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं के 50 किग्रा के फाइनल में, चीन की वू यू ने तुर्किये की बुसे नाज़ काकिरोग्लू को विभाजित निर्णय के माध्यम से 4-1 से हराकर मुक्केबाजी में चीन का दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, यांग लियू चीन के स्वर्ण पदकों की संख्या में इज़ाफा नहीं कर सकीं और महिलाओं के 66 किग्रा वर्ग के फाइनल में इमान खलीफ से सर्वसम्मत निर्णय से हार गईं।

पुरुषों के 71 किग्रा के फाइनल में, 1968 के बाद से मैक्सिको के पहले ओलंपिक स्वर्ण की तलाश कर रहे मार्को वर्डे, उज्बेकिस्तान के असदखुजा मुयदिनखुजाएव से हार गए। मुयदिनखुजाएव के फुटवर्क ने मैक्सिकन खिलाड़ी को कमियों को तीन राउंड में उजागर कर दिया, क्योंकि उज्बेक ने वर्डे के चारों ओर घेरा बनाया, अपने कंधे के रोल का उपयोग करके प्रभावी ढंग से मुक्कों को अंजाम दिया। यह परिणाम उज्बेकिस्तान के खेलों का दूसरा मुक्केबाजी स्वर्ण है।

उज्बेकिस्तान ने ल्द ही अपने तीसरे स्वर्ण का जश्न मनाया, जब लेजज़िबेक मुलोजोनोव ने पुरुषों के 92 किग्रा फाइनल में सर्वसम्मत निर्णय के माध्यम से अज़रबैजान के लोरेन अल्फोंसो को हराया।

ब्राजीली जोड़ी रामोस-लिस्बोआ ने महिला बीच वॉलीबॉल में जीता स्वर्ण

विश्व की नंबर एक जोड़ी ब्राजील की एना पेट्रीसिया सिल्वा रामोस और एडुआर्डा सैंटोस लिस्बोआ ने शुक्रवार रेत रात कनाडा की मेलिसा हुमाना-पारेडेस और ब्रांडी विल्करसन को तीन सेटों के रोमांचक फाइनल में हराकर पेरिस ओलंपिक में महिला बीच वॉलीबॉल का स्वर्ण पदक जीता। ब्राजील की जोड़ी ने एफिल टॉवर स्टेडियम में 26-24, 12-21, 15-10 से लगातार सातवीं जीत दर्ज की, जबकि ह्यूमैना-पैरेडेस और विल्करसन ने महिला बीच वॉलीबॉल में कनाडा का पहला ओलंपिक पदक जीता। लकी लूजर राउंड से लेकर फाइनल तक संघर्ष करने के बाद, कनाडाई टीम ने आश्चर्यजनक रूप से पहले सेट में 8-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन अपराजित ब्राजीलियाई जोड़ी ने 17-17 की बराबरी पर वापसी की। इसके बाद दोनों टीमों ने 24-24 की बराबरी पर बढ़त हासिल की, जिसके बाद सिल्वा रामोस और सैंटोस लिस्बोआ ने लगातार दो अंक हासिल किए और पहला सेट अपने नाम किया। ह्यूमैना-पैरेडेस और विल्करसन ने 10-10 की बराबरी से आगे बढ़ते हुए दूसरे सेट को 11-2 की बढ़त के साथ समाप्त किया और टाईब्रेकर के लिए मजबूर किया, जहां ब्राजीलियाई टीम ने 5-2 की बढ़त हासिल की और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इससे पहले शुक्रवार को स्विट्जरलैंड की तान्जा ह्युबर्ली और नीना ब्रूनर ने ऑस्ट्रेलिया की मारियाफे आर्टाचो डेल सोलर और तालिक्वा क्लैंसी को 21-17, 21-15 से हराकर कांस्य पदक जीता।

तकनीक

मोबाइल हेडफोन जैक नहीं कर रहा काम तो अपनाएं ये टिप्स

सोचिए नया स्मार्टफोन खरीदने के तुरंत बाद अगर खराब हो जाए तो क्या करेंगे आप? कई बार ऐसा होता है कि आपके नए स्मार्टफोन का हेडफोन जैक काम नहीं कर रहा होता है। जिसे आपको ठीक करने के लिए शॉप पर जाना पड़ता है। अगर आप भी इस तरह की किसी परेशानी से गुजर रहे हैं तो आप अपने स्मार्टफोन जैक को घर बैठे भी ठीक कर सकते हैं।

ऐसे करें ठीक

1. इसके लिए पहले ये चेक कर लें कि कहीं आपके स्मार्टफोन का हेडफोन तो टूटा हैं। हेडफोन को चेक करने के लिए किसी भी 3.5MM जैक में अपने हेडफोन को यूज करके देखें। आपको हेडफोन के बारे में पता चल जाएगा।
2. कई बार ऐसा होता है कि आपका स्मार्टफोन स्पीकर और किसी दूसरे डिवाइस से ब्लूटूथ से कनेक्ट रहता है जिसकी जानकारी आपको नहीं होती है। इसलिए सबसे पहले यह जांच लें कि कहीं आपका स्मार्टफोन किसी डिवाइस से ब्लूटूथ के जरिए कनेक्ट तो नहीं हैं।
3. कई यूजर्स को इस बात की जानकारी नहीं है कि हेडफोन जैक में धूल-मिट्टी और गंदगी जाने से भी परेशानी हो सकती है। इसलिए हमेशा हेडफोन जैक को साफ करते रहना चाहिए। जिसके बाद हेडफोन जैक काम करने लगेगा।
4. ऑडियो जैक कई बार फोन की सेटिंग की गड़बड़ी की वजह से भी काम नहीं करता है। इसके लिए फोन की सेटिंग में जाकर चेक करें और ऑडियो ओपन कर इसके वॉल्यूम को देख लें कि साउंड कहीं कम या म्यूट तो नहीं है। अगर ये तब भी काम नहीं करें तो फोन को एक बार रिस्टार्ट कर लें।
5. अगर फोन का हेडफोन जैक इन टिप्स को फॉलो कर भी ठीक नहीं हुआ है, तो फोन को किसी भी रिपेरिंग स्टोर पर ले जाने से बेहतर होगा कि फोन को सर्विस सेंटर में दिखाएं।

जेब से सिक्के गिरने का मतलब जल्द होगा आपके साथ ऐसा

अगर आपकी जेब से अचानक से सिक्के गिर कर बिखर जाएं तो उन्हें उठाते हुए गुस्सा मत कीजिए बल्कि आनंद लीजिए क्योंकि ऐसा होना आपके लिए शुभ साबित हो सकता है। हम जब आपको इससे जुड़ी बात बताएंगे तो विश्वास मानिए आप सोचेंगे कि कब आपकी जेब से सिक्के गिरें और आप उन्हें उठाने के लिए प्रयास करें।

ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी जेब से सिक्के या नोट गिरते हैं तो यह आपके लिए एक अच्छा संकेत है। हां लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि यह आपको जानबूझ कर नहीं करना है बल्कि यह अनायास ही होना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी जेब से सिक्के या नोट गिरते हैं तो आपको जल्द ही धन की प्राप्ती होने वाली है। आपको ऐसा धन प्राप्त होगा जिसके बारे में आपने सोचा नहीं है। इस धन की प्राप्ती के लिए वक्त का कोई निर्धारण नहीं है लेकिन इतना आप मान सकते हैं कि आपको अज्ञात स्रोत धन उपलब्ध कराएंगे।

मधुमेह में पैरों का मामूली जख्म भी खतरनाक

इस तरह करें पैरों की देखभाल

मधुमेह से रोगियों के पैरों में मामूली जख्म भी खतरनाक हो सकता है। मधुमेह रोगियों पर किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है। अध्ययन के आकलन के अनुसार, टाइप 2 मधुमेह के निदान के दौरान कम से कम 10 में से एक रोगी के पैर में क्षति की आशंका देखी गई है। अध्ययन से पता चला कि भारत में 7.4 से 15.3 प्रतिशत मधुमेह रोगियों के पैरों में तकलीफ होती है। ऐसे में इसकी जल्द पहचान कर उपचार करा लेना चाहिए। डॉक्टरों का कहना है कि नहीं तो हालत गंभीर हो सकती है। एक छोटी सी चोट से भी बाद में संक्रमण हो सकता है और पैर काटना भी पड़ सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मधुमेह रोगियों के पैर में होने वाली इस समस्या को डायबेटिक फुट कहते हैं। इसमें संक्रमण के चलते ऊतक सड़ सकते हैं और जिसमें अल्सर के कारण तंत्रिका संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। इससे रक्त के संचरण संबंधी विकार का खतरा बन जाता है और उपापचय की जटिलताएं हो सकती हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. के. के. अग्रवाल ने कहा कि मधुमेह होने पर यह जरूरी है कि रोजाना पैरों की जांच की जाए। थोड़ी सी भी चोट या पैर की अंगुली या नाखून के संक्रमण से अल्सर हो सकता है। मधुमेह से पैर की नसें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। अगर दर्द न हो तो ऐसी छोटी मोटी चोटें नजरअंदाज भी हो सकती हैं। इसके अलावा उच्च रक्तचाप, धूम्रपान, कोलेस्ट्रॉल और मोटापे के कारण मधुमेह रोगी के पैर में रक्त प्रवाह कम हो सकता है। इन सबके चलते रोगों में दोबारा संक्रमण होने पर समस्या और बढ़ जाती है। मधुमेह प्रभावित पैर से जुड़ी कुछ अन्य जटिलताओं में अल्सर, संक्रमण, सेप्टीसीमिया, गैंगरीन, विकृति और अंग का नुकसान हो सकता है।

मधुमेह के रोगी के पैरों में होने वाली समस्याएं

मधुमेह प्रभावित रोगी के पैर के कुछ संभावित कारणों में प्रमुख हैं- न्यूरोपैथी यानी तंत्रिका क्षति, वस्कुलोपैथी (रक्त वाहिकाओं में रुकावट), पैर की विकृति, संक्रमण और एडिमा (सूजन)। मधुमेह प्रभावित पैरों के इलाज के लिए दुर्गंध और संक्रमण के नियंत्रण पर ध्यान देना चाहिए।

पैरों को नमी से बचाएं

आईएमए के अध्यक्ष डॉ. के. के. अग्रवाल ने बताया कि मधुमेह पीड़ित लोगों को अपने पैरों की हर साल जांच करानी चाहिए। यदि पैर में कोई चोट लगी हो, नाखून खराब हो गया हो या पैर में किसी भी प्रकार का दर्द महसूस हो तो चिकित्सक से सलाह जरूर लेना चाहिए। ग्लाइसेमिक नियंत्रण, पैर की नियमित जांच, सही जूते और नमी से बचाकर पैरों की रक्षा की जा सकती है।

इस तरह पैरों की देखभाल करें

» शर्करा के स्तर की जांच करें : रक्त शर्करा के स्तर को सही रेंज में रखने के लिए अपने चिकित्सक की ओर से सुझाई गई जीवनशैली का पालन करें।
» हर दिन अपने पैरों की जांच करें : किसी भी तरह के लाल धब्बे, छीलन, सूजन या छाले पर ध्यान दें।
» शारीरिक रूप से सक्रिय रहें : प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम जरूर करें।
» पैरों को साफ रखें : हर दिन पैरों को धोकर सावधानी से सुखा लें, खासकर पैर की उंगलियों के बीच के हिस्से को।
» अच्छी तरह से मॉइस्चराइज करें : अपने पैरों के ऊपरी और निचली ओर मॉइस्चराइजर की एक पतली परत लगाएं।
» आरामदायक जूते और मोजे पहनें : नंगे पैर न चलें। आरामदायक जूते मोजे ही पहनें। सुनिश्चित करें कि अस्तर चिकना हो और आपके जूते के अंदर कोई चुभने वाली चीज न हो।
» पैरों में रक्त परिसंचरण सुनिश्चित करें: बैठने पर पैरों को ऊपर की ओर रखें। पैर की उंगलियों को घुमाएं और अपने टखनों को पांच मिनट तक दिन में दो या तीन बार ऊपर-नीचे करें।
» अपने नाखूनों को नियमित रूप से काटें।

स्कीन केयर

मानसून में इस तरह स्किन केयर कर सकते हैं पुरुष

बरसात के मौसम में आपको अपने हेल्थ का विशेष ध्यान रखना होता है। उसमें भी मानसून में आपको आपकी स्किन का भी काफी ख्याल रखना चाहिए। इसमें भी पुरुषों को भी अब स्किन केयर की जरूरत होती। आइए जानते हैं किस तरह से आप इस मानसून में अपने चेहरे का ख्याल रख सकते हैं।

» बारिश का मौसम त्वचा की प्राकृतिक चमक और नमी को कम कर सकता है। इसलिए इन्हें बरकरार रखने के लिए खूब पानी पिएं। रोज चाय विशेष रूप से हर्बल टी का इस्तेमाल करें। ये आपके शरीर में नमी बरकरार रखने के साथ ही त्वचा में चमक बनाए रखने में मदद करेगा।

» थोड़े थोड़े समय पर अपना चेहरा फेस वाइप्स से साफ करते रहें तो ये चिपचिपा और डल नहीं दिखेगा साथ ही चेहरे पर कालापन भी नहीं झलकेगा।

» बरसात के मौसम में ऑइली फेस क्रीम अवॉइड करें इसके इस्तेमाल से रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और त्वचा सांस नहीं ले पाती, जिससे मुंहासे भी हो सकते हैं, इसलिए इस मौसम में कम से कम थिक और चिकनी क्रीम यूज करें।

» मानसून में तले हुए फूड जैसे पकौड़े आदि खाना अच्छा लगता है पर बेहतर होगा कि अपने चेहरे को दाग-धब्बे से सुरक्षित रखने के लिए कम मात्रा में ही इनका सेवन करें और इच्छा होने पर होम मेड चीजें ही खायें।

» मानसून के समय सिर में खुजली होना, डैंड्रफ होना आम समस्या है, इसलिए साफ्ट एंटी-डैंड्रफ शैम्पू का इस्तेमाल करें, जो बालों को नमी माइश्चर भी करता है, पिरोक्टोन ओलेमाइन और विटामिन बी-5 वाले प्रोडेक्ट इस्तेमाल करना अच्छा रहेगा।

» बातों को रेग्युलरली वाश करें। ताकि गंदगी जम ना सके। इसके अलावा कापेशिश करें की बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचने के लिए स्कैल्प को सूखा रहे।

मानसून में गाड़ी की सेहत का रखेंगे ध्यान

तो नहीं होंगे परेशान

मानसून के मौसम में अधिकतर महानगरों, नगरों, कस्बों और गाँवों में जलजमाव की स्थिति हो जाती है जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या होना आम बात हो गयी है। आप सभी ने देखा होगा कि बारिश में अकसर कोई कार, बस, बाइक या स्कूटर बीच रास्ते में खराब हो गया है और उसका चालक उसे ठीक करने की मशक्कत में लगा हुआ है लेकिन उसकी गाड़ी बीच रास्ते में खड़े हो जाने के कारण जाम बढ़ता चला जाता है। प्रभासाक्षी के चैनल काम की बात में हम आपको इस सप्ताह बता रहे हैं कि किस तरह अपनी गाड़ी को मानसून का सामना करने के लिए तैयार किया जाये। यकीन जानिये इन सुझावों पर ध्यान देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

» सबसे पहले तो हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि गाड़ी चाहे जितनी पुरानी हो जाये अधिकृत सर्विस सेंटर से ही उसकी सर्विस करानी चाहिए। बाहर आपकी गाड़ी की सर्विस या कोई पार्ट आदि सस्ते में डल तो सकता है लेकिन वह बीच रास्ते में आपको धोखा भी दे सकता है।

» मानसून से पहले गाड़ी के ब्रेक जरूर चेक करवा लें क्योंकि यदि आप स्पीड में चल रहे हैं और अचानक ही आपका ब्रेक मारने पड़ें तो गाड़ी पूरी तरह रुकने में थोड़ा समय लेती है ऐसे में यदि ब्रेक ढीले हुए तो हादसा भी हो सकता है।

» गाड़ी के वाइपर ब्लेड चेक करें यदि यह घिस गये हैं तो इन्हें बदलवा लें वरना भारी वर्षा की स्थिति में आपको गाड़ी चलाने में दिक्कत होगी।

» कार के टायर यदि घिस गये हैं तो इन्हें बदलवा लें।

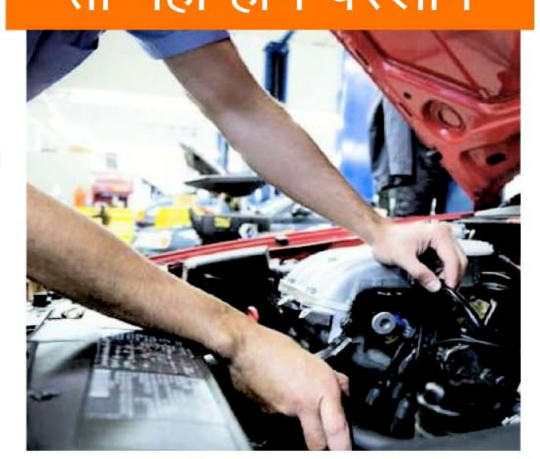

» मानसून से पहले जब कार की सर्विस करायें तो चेसिस में पानी निकलने वाली जगह को जरूर चेक कराना चाहिए ताकि गाड़ी की चेसिस के अंदर वर्षा का पानी इकट्ठा नहीं हो सके।

» बारिश में ड्राइव कर के आने के बाद गाड़ी की अच्छी तरह वाशिंग करानी चाहिए। आजकल तो यह सुविधा अकसर पेट्रोल पंपों पर भी उपलब्ध होती है।

» बारिश के दौरान अकसर दिन में ही कई जगह अंधेरा-सा हो जाता है इसलिए गाड़ी की हेडलाइट, इंडिकेटर आदि दुरुस्त रहने चाहिए।

» अगर सड़क पर पानी भरा हुआ है तो कदापि स्पीड में नहीं चलें क्योंकि यदि कोई गड्ढा आदि हुआ तो गाड़ी सीधे उसमें चली जाएगी।

» एक बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि यदि आपको लग रहा है कि गाड़ी के अंदर पानी चले जाने के चलते गाड़ी बंद हो गयी है तो उसे खुद दोबारा स्टार्ट नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे पानी इंजन के अंदर घुसकर उसे लॉक कर सकता है। ऐसी स्थिति में लोगों की मदद लेकर गाड़ी को पानी से बाहर निकालें और उसके बाद उसे स्टार्ट करें।

» मानसून के मौसम में उमस काफी बढ़ जाती है। इसलिए कार को ढक कर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे गाड़ी में रस्ट लगने का खतरा होता है।

» यदि आप ऐसे इलाके में रहते हैं जहां पक्की सड़कें नहीं हैं तो मानसून के मौसम में गाड़ी में बूट की मजबूत रस्सी जरूर रखनी चाहिए ताकि यदि गाड़ी गीली मिट्टी में फंस जाये तो उसे आसानी से बाहर खींचकर निकाला जा सके।

» यदि बाइक चलाते हैं तो प्लग की जांच करवाते रहें क्योंकि उसमें कचरा फंस जाने से बाइक बीच रास्ते में ही बंद हो सकती है।

रोज 2 घंटे चलाते हैं कार तो सावधान, आपको हो सकती हैं ये दिक्कतें

मेट्रो और छोटे शहरों में ड्राइव करने का चलन काफी बढ़ गया है. ऑफिस जाने के लिए लोग अब कार का ही इस्तेमाल करते हैं. हालांकि ऐसा करना कई लोगों की मजबूरी भी है क्योंकि मेट्रो शहरों में सार्वजनिक यातायात की हालत बहुत खराब है और जिनके पास कार है वह समय बचाने के लिए अपने ही वाहन का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन ड्राइविंग की यह आदत या मजबूरी अब सेहत पर भी असर डाल रही है. एक शोध के मुताबिक अगर आप दिन में 2 घंटे ड्राइविंग करते हैं तो इसका यह स्वास्थ्य पर असर डालता है.

क्या होता है सेहत पर असर

1- ड्राइविंग के दौरान तनाव का स्तर बढ़ जाता है. कई बार तो यह सबसे ज्यादा तनाव का कारण बन जाता है.

2- लंबी ड्राइविंग या लगातार ड्राइविंग थकान की वजह बन जाती है जिससे काम करने की क्षमता प्रभावित हो जाती है.

3- जो लोग ज्यादा ड्राइविंग करते हैं नींद में कमी, डिप्रेशन की समस्या हो जाती हैं.

4- एक ही स्थिति में बैठे होने की वजह से पीठ और रीढ़ की हड्डियों की पर भी बुरा असर डालती है.

5- अगर कोई ऑफिस जाने के दौरान रोज ट्रैफिक का सामना करता है तो उनको ज्यादा गुस्सा आता है.

6- ड्राइविंग की आदत बीपी और शुगर की बीमारी को न्यौता दे सकता है और मोटापा बढ़ सकता है.

कैसे करें बचाव

1- आधे घंटे से ज्यादा ड्राइव न करें. बहुत जरूरी है तो गाड़ी रोककर स्ट्रेचिंग करें.

2- अगर रोज 2 घंटे ड्राइव करना मजबूरी है तो योगा जरूर करें.

3- कार की सीट को घुमावदार बनवाएं नहीं तो सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस होने का खतरा है.

4- गाड़ी में बैठने के बाद तुरंत एसी न चलाएं. थोड़ी देर तक विंडो खुला रहने दें. उसके बाद ही एसी चलाएं.

रेसिपी

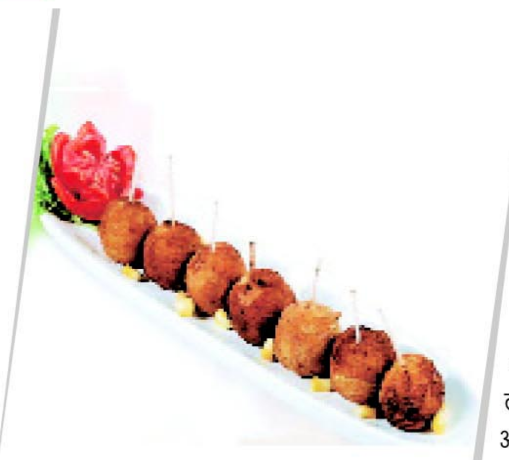

बेबी फ्रिटर्स

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 क्यूब्स चीज
1/2 कप ब्रैडक्रंब्स
तेल तलने के लिए
12 स्टिक्स
1/2 कप मकई दाना(उबला व कटा)
4 चम्मच मैदा
लालमिर्च और नमक स्वादानुसार
आमचूर स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले आलू, नमक, मिर्च, मकई व आमचूर को डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण की गोलगोल छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर बीच में थोड़ा सा चीज भर कर स्टिक लगा दें। अब एक कटोरी में मैदे का घोल तैयार करके रख लें। पहले बॉल्स को मैदे के गोल में डिप करें और फिर ब्रैडक्रंब्स लपेटें और तेल में फ्राई करें। बेबी फ्रिटर्स तैयार है इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

मूली मकई की रोटी

सामग्री

1/2 कप कसी हुई मूली
1 कप मकई का आटा
1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, पर्याप्त मात्रा में गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक बाग को 2 पलासटिक शीट के बीच रखकर, 125 मिमी। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**